वर्ष 6, अंक 97 | भोपाल, शनिवार 18 अक्टूबर, 2025 | कार्तिक कृष्ण पक्ष, द्वादशी, 2082 | मूल्य 2 रुपए

दैनिक
कारखाने का सफर

धनतेरस की शुभकामनाएं

(श्रृंखला –9)

भेल कर्मचारियों की सहकारी संस्था बीएचईई थ्रिफ्ट एंड क्रेडिट को- आपरेटिव सोसायटी में क्या सदस्य अनभिज्ञ हैं कि सोसायटी का पैसा अलग-अलग बैंकों में जमा है

- आखिर आधा दर्जन बैंकों में पैसा रखना जरूरी था या यह कारण है कि हर बैंक से अलग-अलग ओवर ड्राफ्ट मिल जाता है
- पारदर्शिता के नाम पर अभी तक चलती रही संस्था में अब हर काम गोपनीय रखना जरूरी हो गया है, आखिर क्यों
- बचत बाजार और सहकारी वस्त्रालय के लाभ हानि का उल्लेख अलग से करना क्यों जरूरी नहीं है, जबकि हर सदस्य यह जानना चाहता है
- इन दोनों संस्थानों का आधिपत्य भी भेल कर्मचारियों यानि सोसायटी के सदस्यों के द्वारा चुने गए संचालकों के पास है, फिर कहां कितनी खरीदारी और कहां से की जा रही है कि खरीदारी का हिसाब किताब भी सदस्यों को देना जरूरी है और अब समय आ गया है कि देना ही पड़ेगा
- भेल कर्मचारियों के अनुसार वस्त्रालय घाटे में चलाया जा रहा है और उसकी भरपाई बचत बाजार से की जा रही है, तो उसे बंद करना क्यों जरूरी नहीं है
- अब तो भेल कर्मचारी यह भी चाह रहे हैं कि थ्रिफ्ट सोसायटी के ऊपर किता ओवर ड्राफ्ट हो गया सभी बैंकों को मिलाकर, जिससे उन्हें जानकारी मिल सके कि सोसायटी की कुल जमा पूंजी से ज्यादा ओवर ड्राफ्ट तो नहीं पहुंचेगा

दैनिक कारखाने क सफर । भोपाल

भेल कर्मचारियों की सहकारी संस्था बीएचईई थ्रिफ्ट एंड क्रेडिट को-आपरेटिव सोसायटी आज भी प्रदेश की सर्वश्रेष्ठ सहकारी संस्था के रूप में जानी जाती है। वर्तमान समय में संचालकों के बीच मची घमासान से सहकारिता से जुड़े लोगों के लिए चिंता का विषय बन गई है। क्योंकि एक तरफ सहकारिता को बढ़ावा देने के लिए पूरा देश जुटा हुआ है। इससे सबसे बड़ा लाभ यह भी है कि भारत में चल रहे स्वदेशी अभियान को काफी लाभ मिल सकता है। भेल कर्मचारियों की सहकारी संस्था बीएचईई थ्रिफ्ट एंड क्रेडिट को-आपरेटिव सोसायटी

को पूर्व अध्यक्षों व संचालकों ने भी इतनी मजबूती प्रदान की है कि इसकी नींव कोई नहीं हिला सकता, लेकिन भेल कर्मचारियों को अफसोस इस बात का है कि कुल 11 संचालक ही आपस में उलझे हुए हैं। उन्हें इस बात की चिंता नहीं कि आपसी घमासान में इसकी छवि घूमिल हो जाएगी। कुल 11 संचालक हैं, जो अपनी संख्या में से ही अध्यक्ष चुनते हैं। वर्तमान संचालक की संख्या पक्ष और विपक्ष में अगर अध्यक्ष को एक तरफ कर दिया जाए तो 5 – 5 हैं। एक इधर से उधर गया तो सत्ता परिवर्तन हो जाता है। यही सत्ता परिवर्तन अभी हुआ और आपसी विवाद इतना बढ़ गया कि गलत शब्दों का भी प्रयोग हैन लगा। शेर की तरह दहाड़ने वाली संस्था में अब चूहे बिल्ली का खेल हो गया। 5 संचालक एक तरफ और 5 संचालक दूसरी तरफ। आपस में भी बात करने में डरते हैं कि कहीं समर्थन और असमर्थन से बात न उलझ जाए। विवाद कहां जाकर खत्म होगा या नहीं होगा के बारे में भी कोई जानकारी नहीं मिल रही है। भेल कर्मचारी तो कहने लगा है कि हद हो गई घमासान की बंद करो, वर्ना हमको आगे बड़ना पड़ेगा।

इस श्रृंखला में शुरू हुए हर रोज एक संचालक के इंटरव्यू में आज तीसरे दिन संचालक राजकुमार इड़पाची से खुलकर बातचीत...

दैनिक कारखाने का सफर अखबार ने भेल कर्मचारियों को उनकी ही बीएचईई थ्रिफ्ट सोसायटी में चल रहे घमासान के बारे में पूरी जानकारी और उसकी कमजोरियों के बारे में अवगत कराने की श्रृंखला शुरू की है। इस श्रृंखला में अब तक संचालकों के इंटरव्यू से अखबार यह दिखा रहा है कि वो कोई पार्टी नहीं है। सोसायटी के सदस्यों की परेशानी और संचालकों का इस बारे में क्या कहना है को प्रकाशित करने का क्रम शुरू किया है। गुरवार को पहले इंटरव्यू में भेल कर्मचारियों ने पढ़ा कि दीपक गुप्ता विपक्ष में होने के बाद सोसायटी में अध्यक्ष को संकट से उबारने पहुंच गए। वहीं दूसरे दिन शुक्रवार को जिनके कारण संकट पैदा हुआ उन संचालको में से एक राजमल बैरागी की बात भेल कर्मचारी यानि सोसायटी के सदस्यों तक पहुंचाई। तीसरे दिन शनिवार को अब सत्ता पक्ष में आए संचालक राज कुमार इड़पाची का इंटरव्यू प्रकाशित कर रहे हैं।

पाला बदलकर अध्यक्ष का समर्थन करने क्यों आगे आए

सवाल- आखिर वो क्या कारण थे कि आपके संचालको में से अध्यक्ष पद के दावेदार होने के बाद भी एक सीट के कारण अध्यक्ष नहीं बन पाए और विपक्ष में बैठे। लेकिन अब पाला बदलकर अध्यक्ष का समर्थन करने आगे आए और अब विपक्ष की जगह सत्ता पक्ष में आ गए।

जवाब- बी.एच.ई.ई.थ्रिफ्ट एंड क्रेडिट कॉपरेटिव सोसायटी लिमिटेड भोपाल में भेल में कार्यरत समस्त अधिकारी एंव कर्मचारी लगभग 4500 सदस्य है, जिनकी मां जैसी संस्था है। यह संस्था विशेष परिस्थिति में 1-2 घण्टे में ही 15 लाख रुपये का लोन अपने सदस्यों को उपलब्ध कराती है और सदस्यों ने अपनी मेहनत से खून पसीने की कमाई हुई पूँजी को सुरक्षित रखने के लिए हमें चुनकर भेजा है, तो हमारी भी जवाबदारी बनती है कि अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण रूप से करें। संस्था में विगत वर्ष 2022 में संचालक मंडल का चुनाव हुआ, तब हम तीन संचालक दीपक गुप्ता, निशांतकुमार नन्दा,और मैं स्वयं राजकुमार इड़पाची सत्यमेव जयते पैनल से जीतकर आये थे। दुर्भाग्य से तीन संचालक कम होने से हम अपना अध्यक्ष नहीं बना पाए और विपक्ष में बैठना पड़ा।, हम विपक्ष में रहने के कारण थ्रिफ्ट सोसायटी के सदस्यों के हितों की लड़ाई विगत तीन वर्षों से लड़ रहे थे। वहीं प्रत्येक संचालक मंडल की बैठक में अध्यक्ष से दमदारी से अपनी बात रख रहे थे। जो भी

राजकुमार इड़पाची

कार्य सोसायटी में हो वह पारदर्शी तरीके से हो। थ्रिफ्ट सोसायटी में कार्य करने वाले कर्मचारियों की सर्विस रूल्स, बचत बाजार के लिए पर्चेस पालिसी बनाने की मांग हो या सदस्यों को दिए जा रहे लोन में ब्याज दर कम करने की बात हो या चाहे डिविडेंड बढ़ाने से लेकर पारदर्शिता के साथ गिफ्ट खरीदी करना और बहुत सारे ऐसे मुद्दे जो कि सदस्य हित में थे हम अपनी बात दमदारी से रख रहे थे। सत्तापक्ष के संचालक एक शब्द भी नहीं बोलते थे और अध्यक्ष की बातों का पूर्ण समर्थन करते थे। इसके बाद इनके बीच में ऐसा क्या हुआ कि सत्तापक्ष के संचालकों द्वारा ही अपने अध्यक्ष के कमरा में ताला लगाने से लेकर नियम विरुद्ध अध्यक्ष की कुर्सी में बैठने तक विवाद पहुँच गया। अध्यक्ष एक सवैंधानिक एंव सम्माननीय पद है, जो कि किसी भी संस्था की रीढ़ की हड्डी होती है। जिससे पूरी थ्रिफ्ट सोसायटी चलती है। अध्यक्ष के कमरा में ताला लगाना मतलब थ्रिफ्ट सोसायटी में ताला लगाना है। इन ताला लगाने वाले संचालक इतना ही नहीं, उस दौरान सोसायटी में कार्य करने वाले कर्मचारियों को डराना धमकाना, मानसिक प्रताड़ना तक करने लगे। तब हमने सोचा कि किसी भी परिस्थिति में थ्रिफ्ट सोसायटी में ताला नहीं लगाने देंगें और न ही सोसायटी को बंद होने देंगे। तब अध्यक्ष से ऐसी परिस्थिति में बात की गई तो अध्यक्ष ने कहा कि कुछ संचालक मेरे समर्थन में कार्य कर रहे है, लेकिन वे ही मेरे कमरा में आकर काफी अभद्र व्यवहार कर रहे हैं। यह व्यवहार अभी कुछ महीनों से ही कर रहे है जिसे मैं बता नहीं सकता। ऐसी परिस्थिति में उनके साथ आगे कार्य करना बिल्कुल भी सम्भव नहीं है। चाहे कोई भी परिस्थिति आये। तब हमें लगा कि आगे 30 सितम्बर तक आमसभा करना अनिवार्य था, अन्यथा आमसभा नहीं होने की स्थिति में संचालक मंडल भंग हो जाता और चुनाव की प्रक्रिया चालू हो जाती, जिससे संस्था को लगभग 20 से 25 लाख रुपये की आर्थिक हानि होती और कहीं न कहीं सोसायटी के सदस्यों का आर्थिक नुकसान होता। ऐसी परिस्थिति में हमारे पास संस्था और सदस्य हित में अध्यक्ष को समर्थन करने के अलावा कुछ भी नहीं था ताकि थ्रिफ्ट सोसायटी निर्विवाद रूप से चलता रहे ।[i] हम सिर्फ सदस्यों के हित की बात करते हैं। इसके अलावा हम लोगों को कुछ नहीं चाहिए।

(दैनिक कारखाने का सफर अखबार में 10 वी श्रृंखला में रविवार को पढ़िए भेल कर्मचारियों यानि साढ़े चार हजार सदस्यों के लिए या संचालकों के लिए लक्ष्मी जी सदा सहाय)

अध्यक्ष ने कहा कि हमने जो वादे किए उसे पूरा किया

थ्रिफ्ट सोसायटी ने अपने सदस्यों को एक दिन पहले बांट दिया लाभांस

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

बीएचईई थ्रिफ्ट एंड क्रेडिट को-आपरेटिव सोसायटी ने अपने साढ़े चार हजार सदस्यों के खाते में शुक्रवार को लाभंश जमा करवा दिया। जबकि दो दिन पहले बोर्ड की बैठक में लाभांश धनतेरस के दिन शनिवार को बांटने की घोषणा की थी। इस संबंध में शुक्रवार को अध्यक्ष बसंत कुमार ने संदेश जारी करते हुए कहा कि सदस्यों को एवं उनके पूरे परिवार को दिवाली एवं धनतेरस की अनंत शुभकामनाएं। जैसा हम लोगों ने वादा किया था कि लाभांश धनतेरस के दिन सभी सदस्यों के खाते में आ जाएगा, हमने एक दिन पहले ही अपने सदस्यों के खाते में लाभांश जमा करवा दिया। सदस्यों से अनुरोध है कि आप सभी अपने अकाउंट को चेक कर सकते हैं।

हमने जैसा कहा वैसा किया : अध्यक्ष बसंत कुमार ने कहा कि इस बार का लाभांश 16% के दर से वितरित किया गया है। यही हमने घोषणा की थी। हने जैसा कहा वैसा किया।

बीएचईएल भोपाल के सतर्कता विभाग के द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के अंतर्गत बीएचईएल भोपाल के सतर्कता विभाग के द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसके अंतर्गत विक्रम स्कूल में दिनांक 06.10.25 को पोस्टर प्रतियोगिता , जवाहरलाल नेहरू स्कूल में दिनांक 08.10.25 को निबंध प्रतियोगिता और कस्तूरबा कॉलेज में दिनांक 15.10.25 को भाषण प्रतियोगिता करायी गयी तथा विद्यार्थियों को सत्यनिष्ठा की शपथ

दिलवाई गई। इस अवसर पर विभाग प्रमुख पंकज पराड़कर ने इस वर्ष की सतर्कता थीम "सतर्कताः हमारी साझा जिम्मेदारी" पर सतर्कता के बिन्दुओं पर प्रकाश डाला।

मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त (CMRS) की तीन सदस्यीय टीम द्वारा भोपाल मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर की मुख्य लाइन, ट्रैक एवं सभी स्टेशन का निरीक्षण किया गया

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

CMRS की तीन सदस्यीय टीम द्वारा 15 अक्टूबर एवं 16 अक्टूबर 2025 को भोपाल मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर (AIIMS से सुभाष नगर स्टेशन) का दो दिवसीय विस्तृत निरीक्षण किया गयाI यह भोपाल मेट्रो का दूसरा निरीक्षण था। इससे पूर्व मुख्य रेल्वे संरक्षा आयुक्त एवं टीम द्वारा डिपो एवं रोलिंग स्टॉक का निरीक्षण किया गया था। इस बार निरीक्षण का फोकस मुख्य लाइन, स्टेशनों, ट्रैक, विद्युत एवं यांत्रिक (E&M) सिस्टम, एवं अन्य परिचालन संबंधी व्यवस्थाओं पर रहा। टीम द्वारा एम्स से सुभाष नगर सभी स्टेशनों पर सुरक्षा और तकनीकी मानकों की जांच भी की और उन्हें संतोषजनक पाया गया I यह निरीक्षण भोपाल मेट्रो परियोजना की संचालनात्मक तैयारियों की दिशा में एक महत्वपूर्ण चरण है। आगामी दिनों में मुख्य रेल्वे संरक्षा आयुक्त (CCRS) द्वारा अंतिम निरीक्षण किया जाएगा, जिसके उपरांत यात्री परिचालन आरंभ किए जाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

शुभोत्सव की रंगोली देख खिल उठे कैंसर पीड़ितों के चेहरे...

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

कहते हैं कि दीपावली उत्सव हर व्यक्ति के जीवन में खुशियों के रंग भर देता है.....लेकिन कोई उनसे पूछे जो कैंसर जैसी भयंकर पीड़ा को झेलते हुए निराशा के अंधकार में जीवन जी रहे हैं। कुछ ऐसे ही कैंसर पीड़ितों के जीवन में दीपोत्सव की खुशियों का रंग भरने का एक प्रयास भोपाल के जवाहरलाल नेहरू कैंसर अस्पताल के स्टाफ ने खूबसूरत रंगोलियां बनाकर किया। कुछ समय के लिए ही सही, लेकिन इन रंगों से भरी कृतियों को देखकर कैंसर पीड़ितों के चेहरों और आंखों में दीपोत्सव की खुशियों की झलक तो दिखाई ही दे गई। दीपावली के शुभ और पावन पर्व की पूर्व संध्या पर, जवाहर लाल नेहरू कैंसर हॉस्पिटल के परिसर में एक विशेष और आकर्षक रंगोली प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में अस्पताल के सभी चिकित्सकों, कुशल तकनीशियनों और समर्पित कर्मचारियों ने बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे पूरे वातावरण में एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ।

प्रत्येक प्रतिभागी ने अपनी रचनात्मकता और कलात्मक कौशल का प्रदर्शन करते हुए मनमोहक रंगोलियाँ बनाईं, जो भारतीय संस्कृति और परंपरा की सुंदरता को दर्शाती थीं। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य अस्पताल के कर्मचारियों के बीच सौहार्द और टीम भावना को बढ़ावा देना था, साथ ही त्योहार के अवसर पर एक खुशनुमा माहौल बनाना भी था। अस्पताल प्रबंधन ने इस अवसर पर विशेष रूप से अस्पताल में भर्ती सभी मरीजों और उनके साथ आए सहयोगियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ और बधाई दीं। प्रबंधन ने सभी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ और खुशहाल जीवन की कामना की, जिससे मरीजों और उनके परिवारों को इस त्योहार के दौरान भी भावनात्मक सहारा और खुशी मिल सके। यह पहल अस्पताल के मानवीय दृष्टिकोण को दर्शाती है, जहाँ मरीजों की शारीरिक देखभाल के साथ-साथ उनके मानसिक और भावनात्मक कल्याण को भी प्राथमिकता दी जाती है। इस प्रकार, यह आयोजन न केवल एक प्रतियोगिता थी, बल्कि यह एक ऐसा अवसर भी था जिसने अस्पताल समुदाय के सभी सदस्यों को एक साथ लाकर त्योहार की खुशियों को साझा करने का मौका दिया।

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय
गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियों के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबरः 9826035849, 9425006706

महाकाल मंदिर में पहली बार बजेगा `महाकाल बैंड'

आरती से पहले गूंजेगी भजन और मंत्रों की धुन, बैंड में 30 लोग

दैनिक कारखाने का सफर। उज्जैन

उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में पहली बार भक्त आरती से पहले भजन और मंत्रों की बैंड धुनों का आनंद ले सकेंगे। यह प्रयोग बारह ज्योतिर्लिंगों में पहली बार उज्जैन के महाकाल मंदिर में शुरू किया जा रहा है। मंदिर प्रशासन ने इसकी तैयारी लगभग पूरी कर ली है और जल्द ही आरती से पहले श्रद्धालु बैंड की मधुर प्रस्तुति सुन सकेंगे।

मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि महाकाल मंदिर समिति का खुद का एक बैंड बनाया जा रहा है, जिसमें 21 से 30 कलाकार शामिल होंगे। यह बैंड रोजाना मंदिर में होने वाली आरतियों से पहले अपनी प्रस्तुति देगा। बैंड की प्रैक्टिस महाकाल लोक में शुरू कर दी गई है। फिलहाल ट्रायल बेस पर इसे दिवाली तक शुरू करने की योजना है। मंदिर में रोजाना पांच आरतियां होती हैं। पहली भस्म आरती सुबह 4 बजे और आखिरी आरती रात 10:30 बजे। ऐसे में एक ही दल का सुबह से रात तक

प्रदर्शन करना संभव नहीं है। इसलिए फिलहाल यह तय किया जा रहा है कि किन आरतियों से पहले बैंड प्रस्तुति देगा। बैंड में पारंपरिक और आधुनिक सभी वाद्य यंत्रों का समावेश रहेगा। इनमें शिव स्तुति, भजन और मंत्रों की धुनें सुनाई देंगी। आने वाले समय में महाकाल मंदिर से निकलने वाली सवारी में भी बैंड दल शामिल होगा। मंदिर प्रशासन ने बैंड के लिए आवश्यक वाद्य यंत्रों की खरीदारी दानदाताओं की मदद से शुरू कर दी है। बैंड के सभी सदस्यों को निर्धारित ड्रेस कोड में रहना होगा। सिंधिया शासन काल से शुरू हुई शहनाई और नगाड़े की परंपरा आज भी मंदिर में निभाई जाती है। हर दिन सुबह 7 बजे की आरती और शाम 7 बजे की संध्या आरती में शहनाई वादन होता है।

अब मप्र में सिर्फ ई स्टाम्प... सभी मैनुअल स्टाम्प होंगे बंद, सालाना 34 करोड़ बचेंगे

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

टेलीग्राम और मनीऑर्डर की तरह मध्यप्रदेश में 126 साल बाद मैनुअल स्टाम्प पूरी तरह बंद होने जा रहे हैं। अब सिर्फ ई-स्टाम्प ही जनरेट किए जाएंगे। ये व्यवस्था कुछ महीनों में लागू करने की तैयारी है। इससे सरकार को मैनुअल स्टाम्प की छपाई, परिवहन और सुरक्षा व्यवस्था पर सालाना खर्च होने वाले करीब 34 करोड़ रुपए की बचत होगी। 100 रुपए से ऊपर के मैनुअल स्टाम्प 2015 में ही बंद किए जा चुके हैं। पंजीयन अफसरों के मुताबिक अभी 100 रुपए से नीचे के स्टाम्प की छपाई नीमच और हैदराबाद प्रेस में होती है। यहां से स्टाम्प को विभिन्न हिस्सों में भेजने के लिए परिवहन व सुरक्षा व्यवस्था करनी पड़ती है। ई-स्टाम्पिंग से ये भी आसानी से ट्रैक किया जा सकेगा कि किसने, कब कितने मूल्य का स्टाम्प खरीदा। इससे फर्जीवाड़ा और दोहरी बिक्री जैसी शिकायतों पर अंकुश लगेगा। मैनुअल स्टाम्प बंद करने का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेज दिया गया है।

किरायानामा, एफिडेविट, सेल एग्रीमेंट, नॉन-ज्यूडिशियल डॉक्यूमेंट्स, पॉवर ऑफ अटॉर्नी जैसे सैकड़ों कामों के लिए लोगों को रोज मैनुअल स्टाम्प की जरूरत पड़ती है। अब बैंकों या अधिकृत केंद्रों पर जाकर आसानी से ई-स्टाम्प मिल जाएगा। राजस्व अधिकारियों का कहना है कि ई-स्टाम्प व्यवस्था से आम लोगों को काउंटर पर लाइन लगाने की जरूरत नहीं होगी। स्टाम्प सीधे ऑनलाइन जनरेट होकर डिजिटल रूप में डाउनलोड किया जा सकेगा। राजस्व संग्रहण अधिक सटीक होगा। अब किसी भी ट्रांजेक्शन का डेटा रीयल टाइम में उपलब्ध रहेगा। मप्र में 100 रु. से अधिक के मैनुअल स्टाम्प पहले ही खत्म किए जा चुके हैं।

पंजीयन मुख्यालय के अफसरों ने बताया कि मप्र में 2014-15 से ई स्टाम्प जनरेट करने की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। अगस्त 2015 ये आम लोगों के लिए जारी होने लगे। देश में एमपी अकेला ऐसा राज्य है, जो खुद के सॉफ्टवेयर के जरिए ई स्टाम्प जारी करता है। अन्य राज्यों में थर्ड पार्टी एजेंसी स्टॉक होल्डिंग कारपोरेशन ऑफ इंडिया के जरिए ई स्टाम्प जारी किए जाते हैं। इस एजेंसी को पहले व्यक्ति पैसा देता है। ये एजेंसी के पास जमा हो जाता है। इसके बाद राज्य सरकार के खजाने में इसकी राशि जमा होती है। जबकि एमपी में पूरी राशि सीधे राज्य सरकार के खजाने में ही जमा होती है। भारत में 1899 में भारतीय स्टाम्प अधिनियम बना। इसके तहत कानूनी दस्तावेजों पर टैक्स के लिए स्टाम्प ड्यूटी लागू की गई। यहीं से भारत में मैनुअल स्टाम्प की शुरुआत थी। नकली छपाई रोकने के लिए इन पर वाटर मार्क, माइक्रोटेक्स्ट और यूनिक सीरियल नंबर होते हैं। मध्यप्रदेश समेत सभी राज्यों की आमदनी का 8-10% हिस्सा स्टाम्प ड्यूटी और पंजीयन शुल्क से आता है। 2003 के फर्जी स्टाम्प घोटाले (30,000 करोड़ तक) के बाद ई-स्टाम्पिंग की जरूरत महसूस हुई। 2008 में ई-स्टाम्पिंग सबसे पहले दिल्ली में लागू हुई। मप्र में 2015 में शुरू हुई।

जुलाई और अगस्त का वेतन ई-अटेंडेंस के बिना पा सकेंगे 70 हजार आउटसोर्स एवं गेस्ट टीचर

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

दिवाली से पहले मध्यप्रदेश के 70 हजार से अधिक अतिथि शिक्षक एवं आउटसोर्स से पड़ा रहे टीचर को राज्य सरकार ने जुलाई और अगस्त का वेतन बिना ई-अटेंडेंस के देने का फैसला किया है। इस संबंध में शुक्रवार को लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि भविष्य में इसे उदाहरण न माना जाए। चूंकि यह जानकारी सामने आई है कि सही जानकारी न होने के कारण कई स्थानों पर अतिथि शिक्षक ई-अटेंडेंस नहीं लगा पाए, इसलिए शिथिलता बरतते हुए जुलाई और अगस्त का वेतन विद्यालय में उपस्थिति के आधार पर देने का निर्णय लिया गया है। शुक्रवार को लोक शिक्षण आयुक्त कार्यालय द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि स्थानीय स्तर पर जानकारी के अभाव और ई-अटेंडेंस की प्रक्रिया प्रारंभिक चरण में होने के कारण कुछ अतिथि शिक्षक जुलाई और अगस्त 2025 में कुछ दिनों की ई-अटेंडेंस दर्ज नहीं कर पाए हैं। इसलिए प्रशासकीय आधार पर यह निर्णय लिया गया है कि ऐसे अतिथि शिक्षक, जो किसी कारणवश किसी दिन की ई-अटेंडेंस दर्ज नहीं कर सके हैं, उनके लिए शाला प्रभारी संबंधित शिक्षक की उपस्थिति पंजी के आधार पर सत्यापित प्रति पोर्टल 3.0 पर अपलोड करेंगे। इसके बाद उन कार्यदिवसों की एंट्री पोर्टल पर कराई जाएगी, ताकि इन दिनों का मानदेय देयक पोर्टल से जनरेट हो सके। यह भी स्पष्ट किया गया है कि ई-अटेंडेंस की कार्रवाई प्रारंभिक चरण में होने के कारण यह शिथिलता प्रदान की गई है, लेकिन इसे भविष्य के लिए उदाहरण नहीं माना जाएगा। गुरुवार को जारी निर्देश में कहा गया था कि लोक शिक्षण संचालनालय में आयोजित प्रदेश के संयुक्त संचालक एवं जिला शिक्षा अधिकारियों की बैठक में आयुक्त लोक शिक्षण द्वारा निर्देशित किया गया था कि शासकीय विद्यालयों में कार्यरत सभी लोक सेवकों (अतिथि शिक्षकों सहित) का अक्टूबर माह का वेतन ई-अटेंडेंस की रिपोर्ट के आधार पर ही आहरित किया जाएगा। जिन लोक सेवकों द्वारा निर्देशों का अब तक पालन न करते हुए ई-अटेंडेंस नहीं लगाई जा रही है, ऐसे लोक सेवकों का इस माह का वेतन नहीं निकाला जाएगा। पोर्टल 3.0 पर समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी एवं संकुल प्राचार्य के लॉग इन पर यह सुविधा उपलब्ध कराई गई है कि वे जिलावार, विकासखण्डवार और विद्यालयवार लोक सेवकों की ई-अटेंडेंस की प्रतिदिवस की रिपोर्ट का देख सकें। जिला शिक्षा अधिकारियों से कहा गया है कि वह अपने जिलांतर्गत प्रति दिन ई-अटेंडेंस की समीक्षा करें। जिन विद्यालयों के शिक्षकों द्वारा ई-अटेंडेंस दर्ज नहीं की जा रही है। ऐसे विद्यालयों का सघन निरीक्षण करते हुए संदर्भित पत्रों में दिए गए निर्देशों का पालन करावें।

बाघ की मौत के बाद बालाघाट डीएफओ को चार्जशीट

सीनियर अफसरों को जानकारी दिए बगैर मादा बाघ का शव जलाया, आरोपी वनकर्मी फरार

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

बालाघाट में एक मादा बाघ की मौत के बाद सीनियर अफसरों को जानकारी दिए बगैर उसका शव जलाने का मामला सामने आया है। इसकी जानकारी के बाद यहां के डीएफओ अधर गुप्ता को सरकार ने चार्जशीट जारी किया है। गुप्ता से 15 दिन में जवाब मांगा गया है। उधर गुप्ता की पत्नी और बालाघाट में ही पदस्थ आईएफएस अफसर नेहा श्रीवास्तव पहले ही कांग्रेस विधायक द्वारा रुपए मांगे जाने को लेकर विवादों में हैं। अधर गुप्ता दक्षिण बालाघाट वन मंडल के डीएफओ हैं। इन वनमंडल में लालबर्रा के अहियाटिकुर बीट में वन्य जीवों की सुरक्षा को लेकर उचित प्रबंध नहीं किए गए हैं। यह क्षेत्र डीएफओ अधर गुप्ता के कार्यक्षेत्र में आता है। उन्हें दी गई चार्जशीट में इस मामले में भी जवाब तलब किया गया है।

डीएफओ अधर गुप्ता पर मादा बाघ की मौत छिपाने और शव जलाने का आरोप है। यहां बाघ की संदिग्ध मौत के बाद डीएफओ गुप्ता ने इस घटना की जानकारी न तो पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ को दी, न ही एनटीसीए को रिपोर्ट भेजी। उन्होंने मादा बाघ के शव को गुपचुप तरीके से जलवा दिया।

इस चार्जशीट में कहा गया है कि वनपाल टीकाराम हनोते और वनरक्षक हिमांशु घोरमारे इस मामले में जिम्मेदार हैं और जो डीएफओ के समक्ष पेश होने के बाद से फरार हैं। यह मामला सामने आने के बाद शासन ने 2016 बैच के डीएफओ गुप्ता से 15 दिन में जवाब मांगा है। उनके खिलाफ बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने भी शिकायत की है। उन पर आरोप है कि गुप्ता ड्यूटी के दौरान शराब पीते हैं और वन अपराधियों से मिलीभगत रखते हैं। दूसरी ओर गुप्ता की पत्नी और उत्तर वन मंडल बालाघाट की डीएफओ नेहा श्रीवास्तव पहले से विवाद में हैं। डेढ़ माह पहले विधायक अनुभा मुंजारे ने उन पर 3 लाख की रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था। इसकी जांच एपीसीसीएफ कोमलिका मोहंता और सीएफ वासु कन्नौजिया कर रहे हैं।

240 साल पुराने मंदिर में औषधियों के सिद्ध होने की परंपरा आज भी, डॉक्टर करेंगे अभिषेक

दैनिक कारखाने का सफर। इंदौर

इंदौर में धनतेरस पर आज आड़ा बाजार स्थित राधा-कृष्ण मालवीय भारती मंदिर के धनवंतरि मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना होगी। सुबह भगवान धनवंतरि का जड़ी-बूटियों और पंचामृत से अभिषेक कर आकर्षक श्रृंगार किया जाएगा। यह मंदिर करीब 240 साल पुराना है और यहां हर साल शहर के डॉक्टर अपनी औषधियां भगवान के सामने रखकर उन्हें सिद्ध करवाते हैं। मंदिर के पुजारी पं. मानवेंद्र त्रिवेदी ने बताया कि यह मंदिर उनके दादाजी पं. लक्ष्मीनारायण त्रिवेदी ने स्थापित किया था, जो होल्कर एस्टेट के राज्य वैद्य रहे हैं। संत विनोबा भावे ने मंदिर का अनावरण किया था और उस समय के होल्कर महाराजा

यहां दर्शन करने आते थे। मंदिर का स्थापत्य प्राचीन शैली में बना है और इसकी मूर्ति जयपुर से विशेष रूप से मंगाई गई थी। धार्मिक मान्यता के अनुसार, समुद्र मंथन के समय भगवान धनवंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। इसलिए धनतेरस के दिन लक्ष्मी पूजन से पहले भगवान धनवंतरि की पूजा का विशेष महत्व होता है। कहा जाता है कि जो व्यक्ति इस दिन भगवान धनवंतरि की आराधना करता है, उसे स्वास्थ्य और दीर्घायु का वरदान मिलता है। क्योंकि यदि स्वास्थ्य ठीक न हो, तो धन और वैभव भी व्यर्थ है।

आज सुबह भगवान धनवंतरि का अभिषेक जड़ी-बूटियों, पंचामृत और फलों के रस से किया जाएगा। आयुर्वेदिक परंपरा के अनुसार औषधियों को भगवान के समक्ष रखकर सिद्ध किया जाएगा। दोपहर 12 बजे विशेष आरती होगी, जिसमें शहर के नामी चिकित्सक, वैद्य और गणमान्य लोग शामिल होंगे।

इंदौर की बहू बनेंगी किक्रेटर स्मृति मंधाना, फिल्म डायरेक्टर बोले- हम जल्द करेंगे शादी, टीम इंडिया का 19 अक्टूबर को इंग्लैंड से मुकाबला

दैनिक कारखाने का सफर। इंदौर

फिल्म निर्देशक, संगीतकार, लेखक, अभिनेता और गायक पलाश मुछाल ने शुक्रवार को इंदौर में घोषणा की कि वे जल्द ही भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना के साथ विवाह सूत्र में बंधने जा रहे हैं। पलाश ने मुस्कुराते हुए कहा, "स्मृति जल्द ही इंदौर की बहू बनेगी। इंदौर मेरे अंदर बसता है।" उन्होंने बताया कि उनकी बरसों से तमन्ना थी कि वे पूरी फिल्म इंदौर में शूट करें, ताकि शहर की खूबसूरत गलियां और स्थान बड़े पर्दे पर नजर आएं। पलाश ने बताया कि महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना इस समय इंदौर में चल रहे वीमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप में हिस्सा ले रही हैं। 19 अक्टूबर को भारत-इंग्लैंड का मैच यहीं खेला जाएगा। पलाश ने कहा कि वे स्टेडियम जाकर भारतीय टीम और स्मृति का मनोबल बढ़ाएंगे। पलाश मुछाल इन दिनों अपनी नई फिल्म 'राजू बैंड वाला' का निर्देशन कर रहे हैं। यह फिल्म बैंड बजाने वालों के जीवन, संघर्ष और भावनाओं पर आधारित है। इसमें 'पंचायत' फेम चंदन रॉय मुख्य भूमिका में हैं, जबकि अविका गौर नायिका हैं।

फिल्म में कई सितारे कैमियो करेंगे और संगीत जगत के कलाकार बैंड उद्योग को ट्रिब्यूट देंगे। पलाश ने कहा कि वे हमेशा साफ-सुथरी, विषय प्रधान और संदेश देने वाली फिल्में बनाना चाहते हैं। पलाश ने कहा, "इंदौर में तकनीकी साधनों की कमी जरूर है, लेकिन लोकेशन्स की कोई कमी नहीं। यहां के लोग बहुत सहयोगी हैं, इसलिए मैं यहां एक प्रोडक्शन हाउस शुरू करने की योजना बना रहा हूं।""'राजू बैंड वाला' का पहला शूटिंग शेड्यूल पूरा हो चुका है और दिसंबर में दूसरा शेड्यूल इंदौर में होगा। फिल्म अगले साल अप्रैल में एक लीडिंग ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज की जाएगी। फिल्म के नायक चंदन रॉय ने कहा कि यह उनके करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण रोल है। उन्होंने बैंड वालों के जीवन को समझने के लिए ट्रंपेट बजाने की ट्रेनिंग भी ली।उन्होंने बताया कि पलाश के निर्देशन की खासियत यह है कि वे कलाकारों को पहले 'खाली कैनवास' बनने की सलाह देते हैं, फिर उनमें रंग भरते हैं। अभिनेत्री अविका गौर ने कहा कि उन्हें बचपन से मिली लोकप्रियता और दर्शकों का भरोसा आज भी प्रेरित करता है। वे अपने काम को सर्वोपरि मानती हैं। अविका इन दिनों अपनी शादी की तैयारियों के बावजूद इंदौर में शूटिंग कर रही हैं। उन्होंने कहा, "मेरे परिवार ने मेरे काम के महत्व को समझा है, इसलिए निजी और पेशेवर जीवन के बीच संतुलन आसान हो गया है।" अविका गौर ने कहा कि दर्शकों की पसंद का दबाव हमेशा फिल्म उद्योग पर रहना चाहिए, क्योंकि वही उद्योग को सुधारने की

धनतेरस पर सजे बाजार, दोगुनी बिक्री की उम्मीद

प्रदेश में 2500 करोड़ से अधिक के कारोबार की संभावना

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

धनतेरस को लेकर मध्यप्रदेश के बाजार सज चुका है। दुकानों में पारंपरिक वस्तुओं से लेकर आधुनिक उत्पादों तक की चमक बिखरी हुई है। ऑटोमोबाइल सेक्टर से लेकर सोने-चांदी के आभूषण तक, हर वर्ग के ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं। वहीं, परंपरागत रूप से धनतेरस पर खरीदे जाने वाले सामान भी व्यवसायियों ने खास तैयारी के साथ बाजार में उपलब्ध कराए हैं, ताकि खरीदारी का यह त्योहार और भी खास बन सके। भोपाल शहर के शोरूम्स, साइट्स और मार्केट्स में त्योहार से जुड़ी खरीदारी ने पूरे माहौल को उत्सव में बदल दिया है। ऑटोमोबाइल एसोसिएशन के आशीष पांडे ने बताया कि इस बार धनतेरस सीजन में पिछले साल की तुलना में करीब 20% ज्यादा बिक्री की उम्मीद है।

इंदौर के सराफा बाजार ने ग्राहकों के लिए रेड कार्पेट बिछाया है तो बर्तन बाजार भी परंपरागत रूप से सज गया है। कपड़ा मार्केट में भी ग्राहकों की आवाजाही ज्यादा रहने वाली है। वहीं, ऑटोमोबाइल सेक्टर में भी सैकड़ों गाड़ियों की डिलीवरी होगी। इसके लिए लोगों ने पहले ही प्री बुकिंग कर रखी है। रियल एस्टेट में बाजार गर्म है। शुभ मुहूर्त में करोड़ों के सौदे होंगे।

भोपाल में 10 हजार टू-व्हीलर और करीब 4200 फोर-व्हीलर बिकने का अनुमान है। इन आंकड़ों के मुताबिक, शहर में ऑटोमोबाइल सेक्टर से ही करीब 900 करोड़ रुपए का बिजनेस होने की संभावना है। पिछले साल यह आंकड़ा 450 करोड़ रुपए के आसपास था, यानी इस बार की बिक्री लगभग दोगुनी मानी जा रही है।

क्रेडाई भोपाल के अध्यक्ष मनोज मीक के अनुसार, रियल एस्टेट का पीक सीजन राखी से शुरू होकर मकर संक्रांति तक चलता है। उन्होंने कहा कि इस बार भोपाल में रियल एस्टेट सेक्टर में 35 से 38% तक की ग्रोथ दिख रही है। शहर में इस समय सबसे ज्यादा डिमांड प्लॉट्स और डुप्लेक्स की है, जबकि लग्जरी सेगमेंट (1 करोड़ रुपए से ऊपर) की बिक्री भी अच्छी बनी हुई है। कुल मिलाकर इस धनतेरस सीजन में भोपाल में रियल एस्टेट से 150 करोड़ रुपए तक की बुकिंग होने का अनुमान है।

बाजारों में ऐसे भी सामान हैं, जो पारंपरिक रूप से धनतेरस के मौके पर खरीदे जाते हैं। उसे भी व्यवसायी बाजार में लेकर आए हैं। ऑटोमोबाइल, रियल एस्टेट, सराफा और इलेक्ट्रॉनिक्स समेत सभी सेक्टर्स को जोड़ें तो मध्यप्रदेश में इस धनतेरस पर करीब 2500 करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार होने की संभावना है। इंदौर, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर जैसे बड़े शहरों के अलावा अब छोटे शहरों में भी ग्राहकों की संख्या बढ़ी है। पिछले साल जहां प्रदेश में कुल कारोबार लगभग 1800 करोड़ रुपए के आसपास रहा

था, वहीं इस बार 40% तक की ग्रोथ की उम्मीद जताई जा रही है।

मनोज मीक के अनुसार, भोपाल में लग्जरी सेगमेंट की मांग मजबूत है। करोड़ रुपए से अधिक की प्रॉपर्टीज की बिक्री में खासा उछाल दिखा है। वहीं ऑटोमोबाइल सेक्टर में भी मिड और हाई रेंज गाड़ियों की बुकिंग ज्यादा है।पिछले साल की तरह इस बार भी कई शहरों में लैंड रोवर, बीएमडब्ल्यू और ऑडी जैसी गाड़ियों की बुकिंग बढ़ी है।

ज्योतिषाचार्य डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि धनतेरस का पर्व विशेष रूप से व्यापारियों और गृहिणियों के लिए महत्वपूर्ण होता है। इस दिन सोने, चांदी, कांसा, पीतल और तांबे से बनी वस्तुएं और बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है।

धनतेरस पूजा का समय इस बार धनतेरस 18 अक्टूबर को है। त्रयोदशी तिथि का प्रारंभ 18 अक्टूबर को दोपहर 12.20 बजे से 19 अक्टूबर दोपहर 1.52 बजे तक है। धनतेरस पर कुबेर-लक्ष्मी का पूजन सायंकाल में किया जाता है। आज के दिन रात के समय आटे से बने दीयों में दीपदान भी करना शुभ माना जाता है।

किसानों के साथ सीएम हाउस में संवाद करेंगे सीएम

भावांतर योजना की जानकारी देंगे, 2500 किसान पहुंचेंगे

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

किसानों को सोयाबीन की फसल का भावांतर देने के लिए भावांतर योजना की पंजीयन प्रक्रिया शुक्रवार को खत्म हो गई है और 24 अक्टूबर से 15 जनवरी तक यह योजना चलेगी। इसके पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार की सुबह मुख्यमंत्री निवास में किसान सम्मेलन में किसानों के साथ संवाद करेंगे। किसानों से संवाद में मुख्यमंत्री राज्य सरकार द्वारा कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों के कल्याणकारी कदमों और नवाचारों की जानकारी देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव किसानों के साथ धनतेरस और दीपावली पर्व की शुरुआत करेंगे। किसान भाई सोयाबीन की फसल को भावांतर योजना के दायरे में लाने की युगांतकारी पहल के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार भी व्यक्त करेंगे। इस किसान सम्मेलन में नर्मदापुरम, भोपाल, सीहोर, राजगढ़, रायसेन और विदिशा जिलों के करीब 2500 से अधिक प्रगतिशील किसान शामिल होंगे।

किसान सम्मेलन का उद्देश्य प्रदेश के किसानों को भावांतर भुगतान योजना की जानकारी देना और उन्हें योजना का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी किसानों को योजना की प्रक्रिया, पात्रता तथा लाभ वितरण से संबंधित जानकारी देंगे। भावांतर योजना में प्रदेश के सोयाबीन उत्पादक किसान 24 अक्टूबर 2025 से 15 जनवरी 2026 तक अपनी फसल कृषि उपज मंडियों में विक्रय कर सकेंगे। राज्य सरकार द्वारा योजना में पात्र किसानों के आधार लिंक बैंक खातों में भावांतर की राशि फसल विक्रय के 15 दिन के भीतर सीधे जमा कर दी जाएगी। ई-उपार्जन पोर्टल पर भावांतर योजना के लिए किसानों का पंजीयन कार्य 17 अक्टूबर तक पूरा किया जा रहा है, ताकि कोई भी पात्र किसान इस योजना का लाभ पाने से वंचित न रहे। किसान सम्मेलन में सरकार द्वारा किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों की जानकारी भी दी जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने मप्र-सरकार से पूछा- मप्र में आबादी के हिसाब से ओबीसी आरक्षण क्यों नहीं दिया जा रहा

चार हफ्ते में जवाब दें, याचिका में मांग : जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण दिया जाए

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मप्र सरकार को नोटिस जारी किया है। याचिका में मांग की गई है कि राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को उनकी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से चार हफ्ते में जवाब मांगा है। शुक्रवार को जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने सुनवाई करते हुए सरकार से चार हफ्ते में जवाब मांगा। कोर्ट ने पूछा- जब अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) को उनकी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण दिया जा रहा है, तो ओबीसी वर्ग को ऐसा आरक्षण क्यों नहीं दिया जा रहा? याचिका में मप्र आरक्षण अधिनियम, 1994 की धारा 4(2) को असंवैधानिक बताया गया है और कहा गया कि यह संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 का उल्लंघन करती है। वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर और अधिवक्ता विनायक प्रसाद शाह ने तर्क दिया कि वर्तमान में मप्र में एससी वर्ग को 16%, एसटी वर्ग को

20%, जबकि ओबीसी वर्ग को केवल 27% आरक्षण दिया गया है। सरकार के हलफनामे के अनुसार, मप्र में ओबीसी आबादी 51% है। 2011 की जनगणना के अनुसार एससी की आबादी 15.6%, एसटी की 21.01% और ओबीसी की 50.01% है। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि जब एससी-एसटी को आबादी के अनुपात में आरक्षण मिला है, तो ओबीसी को इससे वंचित रखना समानता के अधिकार (धारा 14) का उल्लंघन है। मप्र सरकार ने 87:13 फॉर्मूला लागू किया है, जिससे 1.04 लाख पद खाली हैं और 8 लाख उम्मीदवारों की नियुक्ति अटकी है। ओबीसी आरक्षण 27% करने पर कोर्ट की रोक है, क्योंकि सामाजिक व शैक्षणिक पिछड़ेपन का सर्वे अधूरा है। सुप्रीम कोर्ट अब डेटा की वैधता पर विचार करेगा।

बिहार चुनाव... गया में बोले सीएम डॉ. मोहन यादव, अयोध्या में रामलला, अब मथुरा में कृष्ण मुस्कुराएंगे

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को बिहार के गया में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में सनातन संस्कृति की धारा बह रही है, जिस तरह भगवान राम मुस्कुरा रहे हैं, जल्द ही मथुरा में कृष्ण कन्हैया भी मुस्कुराएंगे। हमारे उज्जैन में भव्य महाकाल महालोक बना है, उसने पूरे शहर की कायापलट कर दी है।अब गया की कायापलट होनी चाहिए। इसके लिए गया में भाजपा और एनडीए की सरकार जरूरी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को बिहार के गया टाउन में भाजपा प्रत्याशी डॉ. प्रेम कुमार के समर्थन में नामांकन

दाखिल कराया। इसके बाद उन्होंने हिसुआ विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार सुबह से देर शाम तक भोपाल, राजगढ़ और सीहोर में किसानों के बीच रहकर सीधा संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री निवास में किसान सम्मेलन से दिन की शुरुआत करेंगे, जहां नर्मदापुरम, भोपाल, सीहोर, राजगढ़, रायसेन और विदिशा जिलों के 2500 से ज्यादा किसान शामिल होंगे। भोपाल से रवाना होकर वे राजगढ़ के ब्यावरा में किसान सम्मेलन में शामिल होंगे। यहां वो प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों को 277 करोड़ रुपए की राहत राशि सिंगल क्लिक से ट्रांसफर करेंगे। 33 करोड़ की ब्यावरा जल प्रदाय योजना व 193 करोड़ के 41 विकास कार्यों का शिलान्यास- लोकार्पण करेंगे। इसके बाद वो सीहोर जिले के बिलकिसगंज झागरिया में 118 करोड़ की राहत राशि 2 लाख किसानों के खाते में ट्रांसफर करेंगे।

भोपाल में पटाखा गन चेक करते वक्त हुआ फायर, बच्चे की आंख डैमेज, एम्स ने जारी की एडवाइजरी, पिछली दिवाली आए थे 52 केस

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल में पटाखा गन से एक 11 साल के बच्चे की आंख की पलक जल गई। उसकी पुतली पर सफेदी छा गई। इस साल दिवाली का यह पहला केस गांधी मेडिकल कॉलेज (GMC) के नेत्र विभाग में पहुंचा है। अब बच्चे की आंख बचाने के लिए शनिवार सुबह सर्जरी की जाएगी। घटना गुरुवार रात की है। तब बच्चा पटाखा गन लोड करने के बाद चेक कर रहा था। इस वक्त गन चल गई। जिससे पटाखा उसकी आंख में लग गया।

GMC के नेत्र विभाग के मुताबिक बच्चे को प्राथमिक उपचार दे दिया गया है। सभी जांचें पूरी कर ली गई हैं। रिपोर्ट आने के बाद नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. एसएस कुबरे सर्जरी करेंगे। दूसरी ओर, भोपाल एम्स ने दिवाली को लेकर एडवाइजरी जारी की है। जिसमें बताया है कि इस त्योहार पटाखे फोड़ते वक्त क्या करना चाहिए और किससे बचना है।

बता दें, पिछली दिवाली पर ऐसे ही हादसों में 52 लोग झुलसे थे। पिछली दिवाली पर 91 वर्षीय महिला की साड़ी में दीये से आग लग गई थी। 70% झुलसने के बाद उन्हें एम्स भोपाल लाए थे। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं, जलने के 15 मरीज एम्स, 13 जेपी और 24 हमीदिया पहुंचे थे। 6 मरीजों को सर्जरी की आवश्यकता पड़ी थी। दिवाली पर सबसे ज्यादा मरीज आंखों की चोटों के साथ अस्पताल पहुंचते हैं। बीते साल एम्स में 14 साल के बच्चे और 29 वर्षीय युवक की आंखों की रोशनी चली गई थी। वहीं, हमीदिया में दो मरीज 50% से ज्यादा झुलसे थे। उनका इलाज बर्न एंड प्लास्टिक विभाग में हुआ था और करीब 20 दिन बाद डिस्चार्ज किया गया। एम्स भोपाल ने कहा कि दीपावली केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता और सामूहिक कल्याण का अवसर है। इस अवसर पर एम्स के बर्न्स और प्लास्टिक सर्जरी विभाग ने जरूरी सावधानियां साझा की हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस ने लड़ने का फैसला किया

लोकप्रिय धारणा से उलट अब्दुल्ला पिता पुत्र ने भाजपा और केंद्र सरकार के सामने झुक कर समझौता करने की बजाय लड़ने का रास्ता चुना है। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने राज्य की सभी चार राज्यसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है। फारूक और उमर अब्दुल्ला को पता है कि चौथी सीट जीतने के लिए भाजपा को हराना होगा। ध्यान रहे भाजपा ने भी सभी सीटों पर लड़ने का फैसला किया है लेकिन उसको पता है कि लड़ाई सिर्फ एक सीट पर होनी है। बाकी तीन सीटें स्वाभाविक रूप से सत्तारूढ़ दल को मिलेंगी। चुनाव की अधिसूचना इस हिसाब से जारी होती है, जिससे सत्तारूढ़ दल या गठबंधन को फायदा होता है। पहली दो सीटों की अधिसूचना अलग अलग जारी हुई है। ये सीटें जीतने के लिए 45-45 वोट की जरुरत है। बाकी दो सीटों की अधिसूचना एक साथ जारी हुई तो उनको जीतने के लिए 30-30 वोट की जरुरत है। पहले लग रहा था कि कोई टकराव नहीं होगा। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला अपनी पार्टी के तीन उम्मीदवार उतारेंगे और चौथी सीट भाजपा के लिए छोड़ देंगे, जिसके 28 विधायक हैं। लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। इसलिए 24 अक्टूबर को राज्यसभा की सभी चार सीटों पर चुनाव होंगा। सबसे हैरान करने वाली बात कांग्रेस की रही, जिसने चौथी सीट पर लड़ने की हिम्मत नहीं की। उमर अब्दुल्ला ने पहले तीन ही उम्मीदवारों की घोषणा की थी। चौथी सीट वे कांग्रेस के लिए छोड़ना चाहते थे। लेकिन कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष तारिक हमीद कारा ने कहा कि भाजपा के 28 विधायक हैं इसलिए वह सीट जीतने की संभावना नहीं है। हार के डर से कांग्रेस ने चौथी सीट नहीं ली। कांग्रेस पहली या दूसरी सीट चाहती थी, जिसे वह नेशनल कॉन्फ्रेंस के वोट से जीत लेती। कांग्रेस के पास अब गुलाम नबी आजाद किस्म का कोई नेता भी नहीं है, जो जोखिम वाली सीट लेकर अपने प्रबंधन से उसे जीत ले। तभी कांग्रेस ने जोखिम नहीं लिया और सीट छोड़ दी तो मजबूरी में नेशनल कॉन्फ्रेंस को उस सीट पर उम्मीदवार उतारना पड़ा क्योंकि पहले तीन सीटों पर भाजपा उम्मीदवार उतार चुकी है। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने पिछले हफ्ते चौधरी मोहम्मद रमजान, शम्मी ओबेरॉय और सज्जाद किचलू को उम्मीदवार बनाने की घोषणा की थी। अब उसने सोमवार को चौथे उम्मीदवार के रूप में इमरान नबी डार की घोषणा की है। पार्टी ने क्षेत्रीय और जातीय संतुलन का पूरा ध्यान रहा है। मोहम्मद रमजान कुपवाड़ा के हैं तो सज्जाद किचलू किश्तवाड़ के हैं। ओबेरॉय बरसों से पार्टी के कोषाध्यक्ष हैं और उनके जरिए मुस्लिम व पंजाबी, सिख समीकरण सधता है। चौथे उम्मीदवार डार नेशनल कॉन्फ्रेंस की मीडिया टीम से जुड़े रहे हैं।

सबके लिए राहत!

गजा लड़ाईबंदी के मौके को बड़ा इवेंट बनाने इजराइल और फिर मिस्र पहुंचे ट्रंप ने एलान किया कि युद्ध रुक गया है, तो दुनिया ने उस पर सहज यकीन किया। मगर ये सवाल कायम है कि यह 'शांति' कितनी टिकाऊ होगी? डॉनल्ड ट्रंप की 20 सूत्री 'शांति योजना' के तहत गजा में लड़ाई रुकने से विवाद से जुड़े सभी पक्षों ने राहत की सांस ली है। वैसे राहत दुनिया भर में महसूस की गई है, जहां लोग इजराइली हमलों से रोज हो रही मौतों और तबाही की खबरों से व्यग्र थे। ट्रंप योजना के तहत हुए समझौते के पहले चरण के तहत गजा में इजराइली हमले रुके हैं और इजराइली फौज कथित पीली रेखा तक लौट गई है। इससे विस्थापित हुए गजावासियों की अपने स्थान पर वापसी शुरू हो सकी है। इजराइल और हमास ने बंधकों की रिहाई भी शुरू की है। इस पृष्ठभूमि में जब लड़ाईबंदी के मौके को बड़ा इवेंट बनाने पहले इजराइल और फिर मिस्र पहुंचे ट्रंप ने एलान किया कि युद्ध रुक गया है, तो दुनिया ने उस पर सहज यकीन किया। मगर उसके साथ ही ये सवाल उठा है कि यह 'शांति' कितनी टिकाऊ होगी? हमास और अरब देशों की निगाह से देखें, तो ट्रंप की योजना में स्वतंत्र फिलस्तीन राज्य के निर्माण का पहलू गायब है, जबकि 77 साल से फिलस्तीनी उसी लक्ष्य के लिए संघर्ष जारी रखे हुए हैं। समझौते के पहले चरण को कार्यरूप देने के लिए आयोजित शर्म अल-शेख शहर में हुए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने भी कहा कि शांति समझौते के अगले चरण का मुद्दा फिलस्तीनी राज्य की स्थापना होगा। मगर क्या इजराइल इसके लिए राजी होगा? फिलहाल, लड़ाई रोकने पर वह इसलिए राजी हुआ, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसका परायापन बढ़ रहा था, जबकि अमेरिका अंदर बदले जनमत एवं अपने मागा आंदोलन में इजराइल के सवाल पर पड़ी फूट के कारण लड़ाई रोकना ट्रंप की प्राथमिकता बन गई थी। कतर पर इजराइली हमले के बाद पश्चिम एशिया में अमेरिका की साख दांव पर लगी हुई थी। इन हालात में हुए युद्धविराम से ट्रंप प्रशासन ने राहत महसूस की है, जबकि इजराइल और वहां के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को अपने बुने मकड़जाल से निकलने का एक रास्ता मिला है। फिलस्तीनियों को रोजमर्रा की मौतों से राहत मिली है। इसके बावजूद आगे का रास्ता अब भी धुंधला ही है।

थोपे गए सन्नाटे का नाम शांति!

शांति, शांति तब तक ही रहती है जब तक वह स्वीकार्य है। जैसे ही सत्ता भारी पड़ने लगती है—प्रभावशाली, स्वार्थी और आत्ममुग्ध—शांति दरकने लगती है, टूटने लगती है। बेशक, शुरुआत के लिए यह एक उदास वाक्य है, लेकिन मौजूदा समय की सच्चाई यही है। पश्चिम एशिया में जो "शांति" आई है, वह दो वर्षों की लगातार बमबारी के बाद आई है, ऐसे वर्ष जिन्होंने एक पीढ़ी को मिटा दिया और दूसरी को अपंग बना दिया। क्योंकि यह शांति भी पहली बार नहीं आई। कई बार पहले भी आई है, युद्धविराम के वस्त्रों में, कूटनीतिक भाषा में सजी-संवरी, और हर बार बिखर गई। इसलिए यह नई शांति आरंभ से ज़्यादा मरीचिका लगती है, एक क्षितिज जिसे हम लगातार नापते हैं, पर पहुँच नहीं पाते। और सच्चाई यह है कि यह शांति बनाई नहीं गई, मनवाई गई है—अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राजनीतिक दबाव और धमकियों से। यह मेल-मिलाप नहीं, प्रबंध-जुगाड़ है। एक शांति जो गले नहीं लगाई गई, थोप दी गई। इस पल को समझने का एक ही तरीका है—यथार्थवाद (Realism) के सिद्धांत से, वही सिद्धांत जो आज की जनलुभावन और वैचारिक रूप से खोखली दुनिया को अभी भी समझा सकता है। यथार्थवादी हमेशा कहते आए हैं—युद्ध के बाद की शांति नैतिक नहीं होती, रणनीतिक होती है। शांति वहीं टिकती है जहाँ शक्ति संतुलित रहती है; जहाँ कोई पक्ष इतना ताक़तवर नहीं कि दूसरे को कुचल दे। युद्ध मेल-मिलाप से नहीं, थकावट से खत्म होते हैं। इस दृष्टि से, शांति एक ठहराव है, समाधान नहीं—"नकारात्मक शांति," यानी बस खुले युद्ध का अभाव। शीतयुद्ध की "शांति" भी यही थी—अमेरिका और सोवियत संघ के बीच संतुलित भय का संतुलन। दुनिया शांत दिखती थी, पर सुरक्षित नहीं थी। उसी तर्क से देखें तो ट्रंप की यह शांति पूरी तरह फिट बैठती है, थकावट की उपज, समझ की नहीं; दबाव की देन, संवाद की नहीं। यह स्थिरता नहीं, सन्नाटा सुरक्षित करती है। और फिर आता है दृश्य का यथार्थवाद, जहाँ शांति अब विचार नहीं, प्रदर्शन है। इतिहास जब इस दौर को पढ़ेगा, तो पाएगा कि यह यथार्थवाद का नया संस्करण था—जो आदर्श या शक्ति पर नहीं, बल्कि ऑप्टिक्स पर टिका था। एक ऐसी कूटनीति जो reels और gram के लिए बनाई गई। पश्चिम एशिया ने पहले भी कई बार ऐसी भोरें देखी हैं। हर दशक अपनी "नई सुबह" लेकर आता है, पहले उसका उत्सव होता है, फिर विश्वासघात। 1978 के कैंप डेविड समझौते को ऐतिहासिक सफलता कहा गया था—अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक ही मेज़ पर मिस्र और इज़राइल के नेताओं को बैठाया था। अनवर सादात और मेनाखेम बेगिन ने हाथ मिलाया, नोबेल शांति पुरस्कार जीता, और सादात ने कुछ ही साल बाद जान गंवाई। मिस्र को अमेरिकी सहायता और कूटनीतिक प्रतिष्ठा मिली, पर अरब जगत में अपना स्थान खो दिया। पंद्रह साल बाद आए ओस्लो समझौते—व्हाइट हाउस के लॉन पर, कैमरों की रोशनी में, यित्ज़ाक राबिन और यासिर अराफ़ात मुस्कुराते हुए, बीच में बिल क्लिंटन इतिहास के गवाह बनकर। तालियाँ बजीं, नोबेल पुरस्कार फिर मिला, लेकिन शांति टिक नहीं पाई। राबिन की हत्या हुई, ओस्लो दूसरी इंतिफ़ादा में बदल गया, और दुनिया ने एक बार फिर सीखा कि हस्ताक्षर गोलियों से नहीं बचते। पश्चिम एशिया में शांति अक्सर स्थायित्व से पहले पुरस्कार जीतती है। हर युद्धविराम एक नाटक की तरह शुरू होता है—उदात्त, प्रसारित, पर अल्पकालिक। इसीलिए आज की "नई शांति" भी इतिहास बनेगी नहीं—बस इतिहास दोहराएगी, एक और झिलमिलाता क्षितिज, जिसे छूना असंभव है। और इस बार भी सब कुछ उसी पैटर्न पर है—सिर्फ़ एक नए युग की रोशनी में, जहाँ दृश्य ही संदेश है। डोनाल्ड ट्रंप के लिए तो यह सब एक अभियान है—नोबेल पुरस्कार की ओर उनका आत्मघोषित मार्च। उन्होंने राजनीतिक और आर्थिक भाषा में स्पष्ट कर दिया था कि इज़राइल का युद्ध "बहुत लंबा" चल चुका है। हमास से उनका संदेश और कठोर था—"संधि मानो, नहीं तो सामना करो catastrophic catastrophe का।" यह कूटनीति नहीं, अल्टीमेटम थी। 13 अक्टूबर को राष्ट्रपति ट्रंप इज़राइल पहुँचे, ठीक उसी समय जब ग़ाज़ा से अंतिम बंधक छोड़े जा रहे थे। टाइमिंग इतनी सटीक थी कि स्वाभाविक नहीं लगती। कनेस्सेट में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उनका स्वागत किया, और ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ़ तथा दामाद जैरेड कुशनर के लिए तालियाँ गूँज उठीं। दर्शक भी तयशुदा भूमिका में थे, लाल टोपी पहने, जिन पर लिखा था: Trump the Peace President. स्पीकर ने घोषणा की, "अगले साल के नोबेल के सबसे योग्य उम्मीदवार।" और संसद बहस में नहीं, भक्ति में बदल गई। सांसदों ने एक स्वर में नाम पुकारा—"ट्रंप, ट्रंप, ट्रंप।" अपने भाषण में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि "यह नया मध्य पूर्व है—एक ऐतिहासिक सवेरा।" वही वाक्य, वही लहजा, जो उन्होंने पहली बार अब्राहम समझौतों के दौरान कहा था। यह किसी युद्ध का अंत नहीं, बल्कि उसके कथाकार का राज्याभिषेक था—इतिहास को लाइव रियलिटी शो में बदलता हुआ क्षण। इज़राइल में तालियों की बौछार के बाद ट्रंप मिस्र पहुँचे—शर्म अल-शेख में आयोजित "पीस इन द मिडिल ईस्ट" शिखर सम्मेलन में केंद्र मंच पर। वही पुराना रिसॉर्ट, जहाँ कूटनीति अक्सर नाटक जैसी लगती है। पीछे चमकता नारा—"Peace in the Middle East"—एक चुनावी पोस्टर की तरह। हाथ मिलाना, हस्ताक्षर करना, फोटो खिंचवाना—सब था, सिवाय ईमानदारी के। ट्रंप ने भाषण दिया—स्वयं की प्रशंसा से भरा, नीति से खाली। यह शांति का प्रदर्शन था, ऊपरी चमक में सुंदर, गहराई में शून्य। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ ने भी अपनी भूमिका निभाई—ट्रंप को "शांति का व्यक्ति" बताया, "दूरदर्शी नेतृत्व" का गुणगान किया, यहाँ तक कि पाकिस्तान द्वारा उन्हें नोबेल के लिए नामित करने का दावा किया। यह प्रशंसा नहीं, प्रहसन था, कूटनीति तालियों में सिमट गई थी। और जब कन्फ़ेटी हवा में उड़ी और शैंपेन की खनक गूँजी, तो पीछे बस तमाशा बचा—न कोई रोडमैप, न स्पष्टता, न वह व्यावहारिकता जो भाषण को ज़मीन पर उतारती है। ट्रंप को फर्क नहीं पड़ा। उन्होंने तुरंत अगला अंक लिखना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि अब वे नेतन्याहू सरकार को "अपनी शांति" बिगाड़ने नहीं देंगे। कनेस्सेट में उन्होंने नेतन्याहू की खुलकर तारीफ़ की, यहाँ तक कि इज़राइल के राष्ट्रपति आइज़ैक हर्ज़ोग से मज़ाक में कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री को भ्रष्टाचार मामलों से "माफ़" कर देना चाहिए। कमरा हँसी से गूँज गया—पर इरादा स्पष्ट था। अपने विमान एयर फ़ोर्स वन में पत्रकारों के सवाल पर उन्होंने कहा, "The war is over. Okay? You understand that?" और शायद उसी क्षण, आकाश में उड़ते हुए ट्रंप ने मन ही मन मुस्कुराया होगा—अपनी छाती पर चमकते नोबेल पदक की कल्पना करते हुए, कैमरों और झंडों के बीच। और अंत में इतिहास फिर वहीं लौट आता है। शांति तभी टिकती है जब वह साझा होती है, थोपी या प्रदर्शित नहीं। कैंप डेविड से लेकर ओस्लो तक, आतंक के संतुलन से लेकर युद्धविराम के नृत्य तक—हर "ऐतिहासिक भोर" में एक ही दोष रहा है: शक्ति के लिए बनी शांति, जनता की नहीं होती। यथार्थवादी इसे स्थिरता कहते हैं। नेता इसे जीत कहते हैं। दुनिया इसे शांति समझ लेती है। पर शांति शांति तब तक ही रहती है—जब तक वह प्रभावशाली लोगों को रास आती है, जब तक वह तस्वीरों में अच्छी दिखती है। और इसलिए, तालियों और कूटनीतिक चमक-दमक के नीचे एक सवाल अब भी बचा है, क्या यह शांति बनी थी, या बस दिखी थी? क्या यह इतिहास का पुनर्लेखन था, या बस पुराना प्रदर्शन नई रोशनी में?

-श्रुति व्यास

चाहिए सतर्क दृष्टि!

ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ वॉर में भारत के प्रति कोई नरमी नहीं बरती है। क्या वार्ता के अगले चरण में वह ऐसा करेगा? या भारत अपनी 'लक्ष्मण रेखाओं' एवं विदेश नीति संबंधी संप्रभुता पर समझौता करने पर राजी हो जाएगा? अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत के अगले दौर के लिए भारतीय दल वॉशिंगटन पहुंच रहा है, तो उसके सामने वही सवाल और चुनौतियां हैं, जिनकी वजह से पिछले पांच दौर की वार्ताओं में बात आगे नहीं बढ़ी। सवाल है कि क्या भारत व्यापार के साथ-साथ भू-राजनीति संबंधी उन अमेरिकी मांगों पर राजी होगा, जिन्हें डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन टैरिफ वॉर के जरिए पूरा कराना चाहता है? ट्रंप ने यह जताने में कोई कोताही नहीं बरती है कि आयात शुल्क को वे ऐसा हथियार मानते हैं, जिसके उपयोग से वे अपने सारे मकसद साध सकते हैं। भारत खुद उनके इस नजरिए का शिकार बना है। रूस से कच्चा तेल खरीदने के दंड के तौर पर उन्होंने भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाया हुआ है। इस तरह ट्रंप ने भारतीय विदेश नीति को अमेरिकी हितों के मुताबिक ढालने का दबाव बना रखा है। व्यापार संबंध में उनका प्रशासन भारत की 'लक्ष्मण रेखाओं' (कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को अमेरिकी कंपनियों के लिए ना खोलने के निर्णय) को बिल्कुल तव्वजो देने के मूड में नहीं है। एक बड़ी समस्या ट्रंप का अस्थिर स्वभाव भी है। चीन के मामले में जाहिर हुआ कि जो सहमतियां बनीं, उनके खिलाफ जाते हुए ट्रंप प्रशासन ने कुछ ऐसे कदम उठाए, जिससे बात फिर जहां की तहां पहुंच गई। तब चीन ने रेयर अर्थ सामग्रियों के निर्यात को नियंत्रित करने का एलान किया, जिसके परिणामों को समझते हुए अब फिर ट्रंप प्रशासन ने रुख नरम किया है। बहरहाल, रेयर अर्थ जैसे कुछ क्षेत्रों में अपने लगभग एकाधिकार के कारण चीन जवाबी कदम उठाने की स्थिति में है। भारत के साथ यह सुविधा नहीं है। भू-राजनीतिक मामलों में बेशक भारत के साथ अमेरिका की अपेक्षाकृत अधिक निकटता है, फिर भी ट्रंप प्रशासन ने व्यापार में भारत के प्रति कोई रियायत नहीं बरती है। तो मुद्दा है कि क्या अब वह ऐसा करेगा? या भारत अपनी 'लक्ष्मण रेखाओं' एवं विदेश नीति संबंधी संप्रभुता पर समझौता करेगा? सिर्फ इन दो स्थितियों में ही बात आगे बढ़ सकती है। वरना, संभावना है कि वार्ता के छठे दौर का अंजाम भी पहले जैसा ही रहेगा।

ओवैसी की मोदी-मुहम्मद तुलना!

ओवैसी ने अभी 6 अक्तूबर को बहादुरगंज की एक सभा में पूछा: "अगर हम 'आई लव मुहम्मद' का पोस्टर लेकर चलें तो उसमें अवैध क्या है?" इस का उत्तर है कि तसलीमा का कथन "जब तक इस्लाम रहेगा, आतंकवाद रहेगा" का पोस्टर लेकर चलना भी उतना ही वैध है। यानी, मुहम्मद की आलोचना उतना ही वैध है जितना मुहम्मद से मुहब्बत करना। दोनों अधिकार समान धरातल पर हैं। एक ही सिक्के के दो पहलू।जैसा तसलीमा ने कहा: "कोई व्यक्ति आलोचना से ऊपर नहीं — न कोई मनुष्य, न कोई संत, न कोई मसीहा, न कोई प्रोफेट, न कोई गॉड। संसार को बेहतर बनाने के लिए आलोचनात्मक परीक्षण आवश्यक है।" गत 2 अक्तूबर को हैदराबाद में एम.आई.एम. नेता असदुद्दीन ओवैसी ने कहा: "इस देश में 'आई लव मोदी' तो बोल सकते हैं, लेकिन 'आई लव मुहम्मद' नहीं बोल सकते। आप इस देश को कहाँ ले जा रहे हैं? यदि कोई कहे 'आई लव मोदी' तो मीडिया वाले भी खुश हो जाएंगे। मगर कोई 'आई लव मुहम्मद' बोले तो कहेंगे यह ठीक नहीं है।" निस्संदेह, प्रत्येक व्यक्ति को मोदी ही नहीं बल्कि मुहम्मद से भी मुहब्बत जताने की आजादी है। इसमें विवाद नहीं। पर यह तुलना गलत है। 'मुहम्मद से मुहब्बत' की उचित तुलना मोदी नहीं, बल्कि तसलीमा नसरीन या सलमान रुश्दी होते। क्या सब को तसलीमा नसरीन से भी वही मुहब्बत दर्शाने, 'आई लव तसलीमा' के पोस्टर लगाने की आजादी होनी चाहिए या नहीं? विशेषकर मुसलमानों को? इस्लामी मूल ग्रंथों के अध्ययन करके, मुहम्मद के जीवन और कार्य के अनेक उदाहरण देकर अपने मार्मिक निबंध 'बिकॉज ऑफ रिलीजन' (2003) में तसलीमा इस निष्कर्ष पर पहुँचीं: "मुहम्मद ने कुरान अपने स्वार्थ के लिए, अपनी सुविधा के लिए, अपने सुख के लिए लिखी थी।" सो, इस्लाम का इतिहास जान कर वह उस से उदासीन हो गईं। इसलिए सही तुलना यह होती: कि जैसे मोदी या मुहम्मद से प्रेम करने का अधिकार सभी भारतवासियों को है, वैसे ही मोदी और मुहम्मद की आलोचना करने का भी सब को अधिकार है। जैसा तसलीमा ने कहा: "कोई व्यक्ति आलोचना से ऊपर नहीं — न कोई मनुष्य, न कोई संत, न कोई मसीहा, न कोई प्रोफेट, न कोई गॉड। संसार को बेहतर बनाने के लिए आलोचनात्मक परीक्षण आवश्यक है।" अतः जब तक हर भारतवासी यह बात रखने के अधिकार को भी स्वीकार नहीं करे, तब तक केवल मोदी या मुहम्मद पर केंद्रित रहना एकतरफा शिकायत होगी। ऐसा अधिकार कोई नहीं रख सकता जिस से वह दूसरों को वंचित करना चाहे। यदि ओवैसी किसी

व्यक्ति या विचार से प्रेम रखने का अधिकार माँगते हैं, तो उन्हें समान रूप से स्वीकार करना होगा कि दूसरों को उसी व्यक्ति या विचार को नापसंद करने का भी अधिकार है। अन्यथा वह अपनी पसंद दूसरों पर थोपना हो जाएगा। चाहे वह मोदी हों या मुहम्मद। अभिव्यक्ति स्वतंत्रता एकतरफा नहीं हो सकती। वह भी एक ही विषय पर। जैसे, अभी 'आई लव मुहम्मद' विषय है। यहाँ 'आई डोन्ट लव मुहम्मद' भी कहने का वही खुला अधिकार होना चाहिए। मोदी या मुहम्मद, उन के बारे में केवल मीठी बातें कहने की अनुमति नहीं होनी चाहिए। महान लेखक जॉर्ज ऑरवेल की उक्ति प्रसिद्ध है: "यदि स्वतंत्रता का कोई अर्थ है तो यही है कि लोगों को वह बात कहने का अधिकार हो जिसे वे सुनना नहीं चाहते।" यानी, असुविधाजनक सत्य। यही उक्ति 'आई लव मुहम्मद' को सही परिप्रेक्ष्य में रखती है। इस का सर्वाधिक उपयुक्त आधार मुहम्मद की प्रमाणिक जीवनी, सीरा है। (इब्न इशाक का 'सीरते रसूल अल्लाह', अंग्रेजी अनु. 'द लाइफ ऑफ मुहम्मद')। यह सर्व-प्रमाणिक ग्रंथ मुहम्मद के कथनों और कार्यों के विवरणों से भरा है। उसे पढ़कर असंख्य पाठक मुहम्मद के अनेक विचारों और कार्यों को प्रेम करने योग्य नहीं पा सकते। तसलीमा केवल उदाहरण हैं। उस के अलावा भी अनेक महत्वपूर्ण प्रश्न है — विशेषकर गैर-मुसलमानों (काफिरों) के प्रति मुहम्मद के राजनीतिक निर्देश। जो न्यायोचित मूल्यांकन की माँग करते हैं। इसलिए भी, क्योंकि विश्वभर में असंख्य मुस्लिम नेता, जहाँ भी उन्हें शक्ति या अवसर मिलता है, उन्हीं निर्देशों को लागू करने का प्रयास करते हैं। इसके अनेक उदाहरण भारत समेत दुनिया भर में हैं, जहाँ गैर-मुस्लिमों को उन निर्देशों की पीड़ा झेलनी पड़ती है। कश्मीरी पंडित और बंगाली हिन्दू तो वर्तमान उदाहरण हैं। पर मुहम्मद के उन निर्देशों के परीक्षण, मूल्यांकन को अधिकांश नेता दबाने की प्रवृत्ति रखते है। जैसे अभी ओवैसी कर रहे हैं, वे मुहम्मद से मुहब्बत की वैधता पर बल देते हैं, परंतु उन की आलोचना की उसी वैधता से इनकार करते हैं। यही असली समस्या है। इसे किसी समुदाय का 'फेथ' बताकर सुलझाया नहीं जा सकता। क्योंकि ठीक उलटे फेथ और समुदाय भी हैं। बुतशिकनी ही नहीं, बुतपरस्ती भी फेथ है। तब कैसे फैसला होगा? इसलिए मानवता की दो आचार-संहिता नहीं हो सकती, जैसे एक मानव शरीर में दो हृदय नहीं रह सकते। मानवता का भाग होने के नाते मुसलमानों को वह स्वर्णिम नियम मानना होगा जो सभी मनुष्यों पर लागू है: "दूसरों के साथ वैसा ही करो जैसा तुम चाहते हो कि वे तुम्हारे साथ करें।" इसलिए, एक ओवैसी को भी सहजता से उस स्वर्णिम नियम का पालन करना चाहिए जैसा तसलीमा नसरीन या सलमान रुश्दी करते हैं। किंतु राजनीतिक, कानूनी और नैतिक विषयों की एक पूरी श्रृंखला है, जिस पर अधिकांश मुस्लिम नेता विशेषाधिकार का अंदाज रखते हैं। वे अपने लिए ऊँचा और दूसरे के लिए नीचा व्यवहार रखते हैं — कानून ही नहीं, मानवीय नैतिकता से भी ऊपर। वे अन्य धर्मों और धर्म समुदायों के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते हैं। उन्हें 'कुफ्र' और उनके अनुयायियों को 'काफिर' कह कर। पूरी इस्लामी शब्दावली में इससे अधिक घृणित शब्द दूसरा नहीं! यह दिखाने के लिए अकेले कुरान ही काफी है। पर काफिरों को इस्लाम की आलोचना करने देने की स्वतंत्रता से अधिकांश मुस्लिम नेता इनकार करते हैं। कानूनी ही नहीं, नैतिक आधार पर भी! यही सारी दुनिया में इस्लाम की मूल समस्या है। ओवैसी की एकतरफा शिकायत उसी का ताजा नमूना है। वे अपनी आजादी चाहते हैं, पर तसलीमा की छीनना चाहते हैं। तसलीमा या रुश्दी जैसे मुसलमानों की जान पर भी हमले होते हैं। क्योंकि वे मुहम्मद के बारे में असुविधाजनक लगने वाले तथ्य सामने लाते हैं। यह दो मापदंड एक मानव समाज कब तक झेल पाएगा? मुस्लिम नेताओं को इस प्रश्न का सामना करना बाकी है। इसीलिए, 'मुहम्मद से मुहब्बत' के सामने 'मोदी से मुहब्बत' रखना गलत और भ्रामक है। वास्तविक तुलना 'मुहम्मद से मुहब्बत' और 'रुश्दी से मुहब्बत' की होनी चाहिए। दोनों मनुष्य हैं। चाहे, ऐतिहासिक ही सही। वस्तुतः मुहम्मद के ही सन्दर्भ में रुश्दी भी एक ऐतिहासिक हस्ती बन चुके हैं। उन्होंने कुरान की 'शैतानी आयतों' के असुविधाजनक प्रश्न को केंद्र में ला दिया। जो इस्लाम में शुरू से मौजूद रहा है। रुश्दी द्वारा दिए गये तथ्य मूल इस्लामी स्रोतों से ही लिए गये हैं। रुश्दी ने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में इस्लाम का भी विशेष अध्ययन किया था। वास्तव में, रुश्दी के विरुद्ध खुमैनी के फतवे ने उस प्रश्न को हजार गुना अधिक प्रचारित कर दिया जिसे रुश्दी ने परोक्ष रूप से उठाया था। परंतु वह फतवा, और हालिया हमला जिसमें रुश्दी अपंग हो गए, उस प्रश्न को खत्म न कर सका! ईमामों, अयातुल्लाओं और मुस्लिम नेताओं, संगठनों, तंजीमों की पूरी फौज भी रुश्दी द्वारा उठाए गए उस एक मासूम सवाल का जवाब नहीं दे सकी, जो मुहम्मद के बारे में की गई थी। वह प्रश्न यह था: यदि मुहम्मद ने खुद ही कहा कि कुछ आयतें अल्लाह की नहीं, बल्कि शैतान की प्रेरणा से उनके मुँह से निकली थीं, इसलिए वे कुरान से हटा दी गईं — तो क्या गारंटी है कि ऐसा कुछ अन्य आयतों के साथ भी नहीं हुआ होगा? यह रुश्दी ने रूपक में पूछा था, बिना इस्लामी ग्रंथों के असली पात्रों का नाम लिए। किन्तु पैंतीस साल पहले इतना भी मुस्लिम नेताओं को मंजूर न था! आज तो अनगिनत मुस्लिम लेखक — तसलीमा, वफा सुल्तान, अय्यान सिरसी अली, आदि — मुहम्मद पर और भी सीधे प्रश्न उठा रहे हैं। किंतु नाराजगी, धमकी और हिंसा के अलावा मुस्लिम नेताओं के पास कोई जवाब नहीं। यह स्थिति अधिक दिन नहीं रह सकती। ओवैसी जैसे बौद्धिक नेताओं को इसे न्यायसंगत रूप से देखना होगा। चुनी हुई नाराजगी और शिकायत अब काम नहीं करेगी। शिकायत और नाराजगी दूसरों को भी है। वास्तव में, वैसे प्रश्न नए भी नहीं, जो रूशदी या तसलीमा ने उठाए हैं। बहुत से मक्कावासियों ने वही सवाल मुहम्मद से भी पूछे थे। वे उत्तर नहीं दे सके और केवल तलवार से सभी सवालों का निपटारा किया। यह सब उन की जीवनी में विस्तार से लिखा मिलता है। अब चौदह सदियों बाद भी, उसी तरीके की सीमा है। जैसा कि रुश्दी और तसलीमा के मामले में भी देखा गया। अच्छा हो, कि मुस्लिम नेता इस पर विचार करें। किसी समान मानदंड के साथ, जो सब पर लागू हो। उन पर भी जो 'मुहम्मद से मुहब्बत' करते हैं और उन पर भी जो नहीं करते। एकतरफा नाराजगी दोतरफा असंतोष बढ़ाती है। यह न सभी मुसलमानों को संतुष्ट कर सकता है, न ही मानवता को। नई तकनीक ने मुसलमानों को नए प्रकार से सशक्त किया है —अब वे कुरान, हदीस, और सीरा को जानने-समझने के लिए केवल मुल्लों पर निर्भर नहीं।

भारत के पड़ोस में तैनात होंगे तुर्की के लड़ाकू ड्रोन और एयर डिफेंस सिस्टम, खलीफा एर्दोगन ने फाइनल की डील, पाकिस्तान नहीं है नाम

एजेंसी ढाका

बांग्लादेश और तुर्की के बीच एक बड़े रक्षा समझौते पर बात चल रही है। तुर्की के साथ बांग्लादेश का यह रक्षा समझौता तकरीबन फाइनल हो चुका है। इसके तहत ढाका को SIPER लंबी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली तुर्की से मिलेगी। साथ ही बांग्लादेश को ना सिर्फ तुर्की से लड़ाकू ड्रोन मिलने जा रहे हैं बल्कि उसे ड्रोन के सह-उत्पादन का भी मौका मिलेगा। एक्सपर्ट ने बांग्लादेश की सैन्य ताकत बढ़ाने वाली इस डील को ऐतिहासिक और दक्षिण एशिया के सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक बदलावों में से एक कहा है। ढाका स्थित डैफोडिल इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के विजिटिंग स्कॉलर एमडी ओबैदुल्लाह ने एशिया टाइम्स में अपने लेख में कहा है कि यह सिर्फ हथियार सौदा नहीं है। बांग्लादेश के लिए यह संप्रभुता हासिल करने जैसा है, जो क्षेत्र के दिग्गजों के बीच अपना रास्ता बनाने की कोशिश में है। वहीं तुर्की के लिए यह शक्ति प्रदर्शन का मामला है। वहीं भारत के लिए पड़ोस का ये घटनाक्रम एक नया और अवांछित रणनीतिक सिरदर्द है। तुर्की से हथियार खरीद को बांग्लादेश के पड़ोस की घटनाओं से जोड़ा जा सकता है। म्यांमार में चल रहा गृहयुद्ध उसकी सीमा को प्रभावित कर रहा है। म्यांमार के लड़ाकू विमानों ने कई मौकों पर उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया है। ऐसे में ढाका को यह बताने की जरूरत है कि वह अपनी सीमाओं की रक्षा कर सकती है। बांग्लादेश का सैन्य आधुनिकीकरण का यह प्रयास दोहरा उद्देश्य पूरा करता है। एक म्यांमार से उत्पन्न होने वाली तात्कालिक अराजकता के विरुद्ध एक विश्वसनीय रक्षा प्रणाली तैयार करना। वहीं दूसरा भारत जैसे अपने शक्तिशाली पड़ोसी के साथ दीर्घकालिक रणनीतिक विषमता को सूक्ष्मता से संतुलित करना। तुर्की से मिल रहे हथियारों से बांग्लादेश की कई जरूरत पूरी होती हैं। मध्यम और लंबी दूरी की SIPER एयर डिफेंस प्रणाली का संयोजन एक आधुनिक, एकीकृत वायु रक्षा कवच को नए सिरे से तैयार करता है। इससे ढाका के पास अपने हवाई क्षेत्र को अवरुद्ध करने की क्षमता होगी, जो किसी संभावित आक्रमण से राजधानी को सुरक्षित करेगी। तुर्की से मिलने वाले ड्रोन ढाका के लिए दीर्घकालिक रूप से महत्वपूर्ण है। सह-उत्पादन की ओर बढ़ते हुए बांग्लादेश को अपनी मानव पूंजी और औद्योगिक आधार में निवेश का मौका मिल रहा है। यह ना सिर्फ उसकी ताकत बढ़ाता है बल्कि आत्मनिर्भरता की दिशा में भी एक कदम है। यह ढाका को निगरानी, टोही और हमला करने की क्षमताओं के लिए अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर नियंत्रण देगा। तुर्की के लिए यह सौदा एक व्यावसायिक जीत से कहीं बढ़कर है। यह राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के विश्व स्तर पर तुर्की के प्रभाव बढ़ाने की कोशिश में अहम कदम है। यह समझौता एर्दोगन की महत्वाकांक्षी 'एशिया न्यू' नीति को दिखाता है। तुर्की व्यापार, संस्कृति और सैन्य-औद्योगिक साझेदारियों के जरिए पूरे महाद्वीप में तुर्की के प्रभाव का विस्तार करना चाहता है। बांग्लादेश में पैर जमाने से तुर्की को बंगाल की खाड़ी में एक रणनीतिक उपस्थिति मिलती है। ससे उसकी पहुंच काला सागर से लेकर हिंद महासागर तक फैल जाती है। तुर्की और बांग्लादेश की यह डील खासतौर से भारत को परेशान कर सकती है। एक्सपर्ट का कहना है कि यह समझौता भारत के रणनीतिक योजनाकारों के लिए सिरदर्द है। भारतीय सैन्य प्रतिष्ठान को निश्चित रूप से अपनी श्रेष्ठता को चुनौती मिलने की चिंता नहीं है लेकिन उसकी रणनीतिक गणना इससे बिगड़ती है।भारत के लिए यह बात चिंता बढ़ाती है कि ढाका में आपूर्तिकर्ता तुर्की है, चीन नहीं। नई दिल्ली के पास चीनी घुसपैठ का मुकाबला करने की सुनियोजित रणनीति है लेकिन तुर्की के मामले में ऐसा नहीं है। नाटो सदस्य तुर्की को बांग्लादेश को उन्नत रक्षा तकनीक बेचना भारत के लिए एक नई स्थिति है। यह ढाका के प्राथमिक सैन्य समर्थक के रूप में चीन की भूमिका को कमजोर करता है लेकिन उसकी जगह एक और शक्तिशाली स्वतंत्र देश को स्थापित करता है। यह कदम भारत के कूटनीतिक परिदृश्य को जटिल बनाता है। उसके निकटतम पड़ोसियों के साथ भी उसके प्रभाव की सीमाओं को रेखांकित करता है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान में युद्धविराम खत्म, डर से कांप रही मुनीर सेना, तबाही को तैयार तालिबान

एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हिंसक सैन्य झड़पों के बाद हुए युद्धविराम की मियाद खत्म हो गई है। इससे दोनों देशों के बीच फिर से संघर्ष भड़कने का खतरा बढ़ गया है। पाकिस्तान और अफगान तालिबान ने के बीच 15 अक्तूबर को 48 घंटों का अस्थायी युद्धविराम हुआ था। यह युद्धविराम आज दोपहर खत्म हो गया है। इस युद्धविराम के खत्म होने के चंद घंटे पहले पाकिस्तान तालिबान के नाम से कुख्यात तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले के मीर अली शहर में एक मिलिट्री कैंप पर आत्मघाती हमला किया है। टीटीपी के इस हमले में पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान पहुंचा है। समाचार एजेंसी द एसोसिएटेड प्रेस के हवाले से अधिकारी ने कहा कि भीषण गोलीबारी में तीन लड़ाके मारे गए और उन्होंने किसी भी सैनिक के हताहत होने की सूचना नहीं दी। वहीं, समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारियों के हवाले से बताया कि उत्तरी वजीरिस्तान में एक पाकिस्तानी सैन्य शिविर की दीवार में विस्फोटकों से लदे वाहन के टकराने से सात पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। पाकिस्तानी अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया है कि दो अन्य टीटीपी लड़ाकों को उस समय गोली मार दी गई जब वे शिविर में घुसने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान कम से कम 13 घायल हो गए। पाकिस्तान के जियो न्यूज ने बताया कि उत्तरी वजीरिस्तान में एक सैन्य शिविर पर हुए आत्मघाती हमले में टीटीपी के चार हमलावर मारे गए। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा बलों को कोई नुकसान नहीं हुआ है। पाकिस्तान की सेना ने तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। पाकिस्तान और अफगान तालिबान में पिछले कुछ दिनों से भीषण सैन्य झड़पें हो रही थीं, लेकिन बुधवार को लागू किए गए इस युद्धविराम ने दोनों पड़ोसियों के बीच संघर्ष पर अस्थायी रोक लगा दी थी। इस संघर्ष के कारण अफगानिस्तान और पाकिस्तान के सीमावर्ती सूबों के फिर अस्थिर होने का खतरा पैदा हो रहा है। इस कारण इन इलाकों में आईएसआईएस-के और अलकायदा जैसे आतंकवादी समूह फिर से उभरने की कोशिश कर रहे हैं। अगर ऐसा होता है तो न सिर्फ पाकिस्तान और अफगानिस्तान, बल्कि बाकी पड़ोसी देशों के लिए भी खतरा बढ़ सकता है। पाकिस्तान का आरोप है कि तालिबान प्रशासन अफगानिस्तान में टीटीपी लड़ाकों को सुरक्षित पनाहगाह उपलब्ध करा रहा है। इससे टीटीपी आतंकी पाकिस्तान में घुसकर हमले कर रहे हैं। हालांकि, तालिबान ने पाकिस्तान के इन आरोपों को शुरू से खारिज किया है। इसके बावजूद पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन करते हुए पिछले हफ्ते काबुल पर हवाई हमले किए थे। तालिबान ने इसे संप्रभुता का उल्लंघन बताया और पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए सीमा पर पाकिस्तानी पोस्टों पर हमले किए। इस दौरान हिंसक सैन्य झड़पें हुईं और दोनों ही पक्षों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इस बीच खबर है कि कतर ने पाकिस्तान और अफगान तालिबान के बीच दोहा में शांति वार्ता आयोजित करने की पेशकश की है, हालाँकि दोनों सरकारों ने इस प्रस्ताव की पुष्टि नहीं की है। अल जजीरा के कमाल हैदर ने कहा कि "दोहा में एक बैठक की कुछ चर्चा हुई है... मित्र देश यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास कर रहे हैं कि युद्धविराम को आगे बढ़ाया जाए।" उन्होंने सीमा पर स्थिति को "तनावपूर्ण" बताया और कहा कि पाकिस्तान ने कहा है कि जब तक अफगान पक्ष उसकी चिंताओं का समाधान नहीं करता, स्थिति "अनिश्चित" रहेगी और किसी भी समय बिगड़ सकती है।

पाकिस्तान-तालिबान संघर्ष के बीच भूकंप से कांपा अफगानिस्तान, पाकिस्तान-ताजिकिस्तान तक महसूस हुए झटके

एजेंसी काबुल

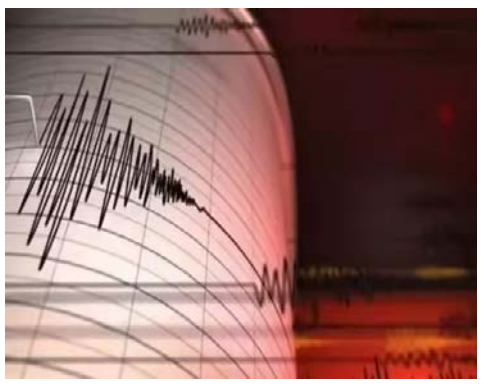

अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा पर भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 5.66 मापी गई है। इसका असर पाकिस्तान में भी महसूस किया गया है। जर्मन भूविज्ञान अनुसंधान केंद्र (जीएफजेड) के अनुसार, शुक्रवार को अफ़गानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा पर 5.66 तीव्रता का भूकंप आया। उन्होंने ने बताया कि भूकंप की गहराई 10 किलोमीटर थी। इस भूकंप में अभी तक जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, यह भूकंप शुक्रवार सुबह लगभग 5.23 बजे अफ़ग़ानिस्तान में आए 4.3 तीव्रता के एक और भूकंप के कुछ ही घंटों बाद आया है, जो राजधानी काबुल से लगभग 133 किलोमीटर पूर्व में आया था। उस भूकंप की गहराई भी 10 किलोमीटर थी और इसका सटीक स्थान अक्षांश 34.57 उत्तर और देशांतर 70.66 पूर्व था। 31 अगस्त 2025 को अफगानिस्तान-पाकिस्तान की सीमा के पास पूर्वी अफगानिस्तान में 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र नर्गल जिला, कुनार प्रांत में स्थित था। इसका हाइपोसेंटर सतह से 8 किलोमीटर (5 मील) नीचे था। इस भूकंप से व्यापक स्तर पर तबाही मची। इस भूकंप के कारण अफगानिस्तान में लगभग 3,000 मौतें हुईं, 4,000 घायल हुए और 8,000 घर ढह गए। लगभग सभी हताहत और विनाश कुनार प्रांत के पांच जिलों में हुए, जहां लगभग सभी इमारतें क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गईं। ऊबड़-खाबड़ पहाड़ों से घिरा अफगानिस्तान कई प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं से ग्रस्त है, लेकिन यहां भूकंप के कारण सबसे अधिक मौतें होती हैं , जिससे हर साल औसतन 560 लोगों की मौत होती है और अनुमानित 80 मिलियन डॉलर का वार्षिक नुकसान होता है। अफगानिस्तान उस जगह पर स्थित है जहां भारतीय प्लेट यूरेशियन प्लेट से टकराती है। इस टकराव से उत्पन्न दबाव पृथ्वी की पपड़ी में पर्वत और भ्रंश बनाता है। जिसका अर्थ है कि दोनों एक दूसरे से मिल सकते हैं या एक दूसरे को छू सकते हैं - और यह अपने दक्षिण में अरब प्लेट से भी प्रभावित है, जिससे यह दुनिया के सबसे अधिक टेक्टोनिक रूप से सक्रिय क्षेत्रों में से एक बन गया है। भारतीय प्लेट का उत्तर की ओर बढ़ना तथा यूरेशियन प्लेट पर उसका दबाव आमतौर पर अफगानिस्तान में आने वाले अनेक भूकंपों के लिए जिम्मेदार है।

रूसी तेल को लेकर भारत पर बंदूक क्यों ताने हैं डोनाल्ड ट्रंप, PM मोदी की पुतिन से दोस्ती का ले रहे बदला

एजेंसी वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार 15 अक्टूबर को चौंकाने वाला दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत रूस से तेल की खरीद बंद करेगा। अगले दिन भारतीय विदेश मंत्रालय से इस बारे में पूछा गया तो उसने दोनों नेताओं के बीच बातचीत की जानकारी होने से इनकार किया। हालांकि, ट्रंप ने इस तरह का इकतरफा दावा पहली बार नहीं किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति भारत की रूसी तेल खरीद को रोकने के लिए लगातार दबाव बना रहे हैं। इसी कड़ी में उन्होंने भारत पर 25% का अतिरिक्त टैरिफ लगाया है, जिससे भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में कुल टैरिफ 50% पहुंच गया है। आखिर भारत का ऊर्जा आयात ट्रंप के निशाने पर क्यों हैं? ट्रंप ने इसी साल अगस्त में भारत पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया था और सार्वजनिक रूप से कहा था कि भारत बड़े पैमाने पर रूसी तेल खरीद रहा है, उसका शोधन करके मुनाफे पर बेच रहा है। भारत वर्तमान में अपनी कुल आपूर्ति का लगभग 35 प्रतिशत रूस से खरीद रहा है। विदेश मंत्रालय ने इसे भारतीय उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए उठाया गया कदम बताया है। ट्रंप पिछले साल राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ये दावा करते रहे थे कि वह सत्ता में आने के बाद 100 दिनों के अंदर रूस और यूक्रेन का युद्ध बंद करा देंगे। हालांकि, 10 महीने बीत जाने के बाद भी ऐसे कोई संकेत नहीं दिखाई दे रहे हैं। इस बीच वह 15 अगस्त 2025 को पुतिन से अलास्का में मुलाकात भी कर चुके हैं, जिसका कोई नतीजा नहीं निकला। इसके बाद से रूस की विशाल अर्थव्यवस्था एक बार फिर पश्चिमी देशों के निशाने पर है। ट्रंप दो तरफा रणनीति पर काम कर रहे हैं। इसमें पहली रणनीति यूक्रेन को अमेरिका निर्मित टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें देना है, जिससे यूक्रेन रूस के तेल रिफाइनरी पर हमला कर सके। दूसरी योजना रूसी तेल के सबसे बड़े खरीदार चीन और भारत को टैरिफ और व्यापार वार्ता की धमकी देकर उन्हें तेल खरीद रोकने के लिए तैयार करने की है। दो दिन पहले जब 15 अक्टूबर को 85 अमेरिकी सीनेटरों ने उस विधेयक का समर्थन किया, जिसमें ट्रंप को रूसी तेल खरीदने पर चीन के ऊपर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने का अधिकार दिया गया। उसी दिन ब्रिटेन ने रूसी तेल का शोधन करने वाली एक भारतीय रिफाइनरी पर प्रतिबंध लगा दिया। भारत पर ट्रंप का लगातार दबाव उसी रणनीति का हिस्सा है, जिसमें वह रूस के ऊर्जा निर्यात को बड़ी चोट देकर बातचीत के लिए मजबूर करना चाहते हैं। रूस ने ट्रंप की इस योजना की काट ढूढ़नी शुरू कर दी है। रूस हाइपरसोनिक मिसाइलों, परमाणु ऊर्जा से चलने वाली हमलावर पनडुब्बियों और स्टील्थ फाइटर जेट जैसे आधुनिक हथियारों की सूची तैयार कर रहा है, जिन्हें वह भारत को बेचकर अपने साथ रख सकता है। एक दिन पहले ही रूसी राजदूत ने खुलासा किया कि मॉस्को अपने पांचवीं पीढ़ी के विमान Su-57 का उत्पादन भारत में करने को तैयार है। ये सभी कदम और जवाबी कार्रवाई ऐसे समय में हो रही है, जब यूक्रेन में रूस का युद्ध 4 महीने बाद चौथे साल में प्रवेश कर जाएगा।

पाकिस्तान के परमाणु बम पर नहीं रहा भरोसा, सऊदी अरब अब अमेरिका के साथ करने जा रहा है रक्षा डील

एजेंसी रियाद

पाकिस्तान के साथ रक्षा समझौता करने वाला खाड़ी का सबसे प्रभावी सुन्नी मुस्लिम देश सऊदी अरब अब अमेरिका के साथ रक्षा समझौते को लेकर बातचीत कर रहा है। सऊदी अरब को उम्मीद है कि अगले महीने क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की रियाद यात्रा के दौरान इस समझौते पर हस्ताक्षर हो सकता है। ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने फाइनेंशियल टाइम्स से बातचीत में कहा कि अमेरिका और सऊदी अरब के बीच इस डील को लेकर बातचीत हो रही है। अभी इस डील के बारे में ज्यादा विवरण सामने नहीं आया है। अमेरिका सऊदी अरब के साथ यह समझौता ऐसे समय पर कर रहा है जब उसने इजरायल के हमले के बाद कतर के साथ एक रक्षा समझौता किया है। सऊदी और अमेरिका के बीच रक्षा समझौते को लेकर बातचीत ठीक उसी तरह की है जैसे कतर के साथ हुआ है। इसमें कहा गया है कि कतर पर हुआ कोई भी हमला अमेरिका पर हमला माना जाएगा। इजरायल के हमास के नेताओं को कहीं भी मार गिराने की पिछले महीने दी गई धमकी और प्रयास के बाद अमेरिका ने यह समझौता किया था। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने कहा कि सऊदी अरब के साथ रक्षा सहयोग हमारी क्षेत्रीय रणनीति की आधारशिला है। उन्होंने डील के बारे में और ज्यादा जानकारी देने से मना कर दिया। अमेरिका के विदेश मंत्रालय, वाइट हाउस और सऊदी सरकार ने अभी तक इस डील पर कुछ नहीं कहा है। पिछले महीने पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच एक आपसी रक्षा समझौता हुआ था। इसमें भी कहा गया था कि किसी एक देश पर हमला दूसरे देश पर हमला माना जाएगा। रियाद में इस समझौते पर पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ और सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने हस्ताक्षर किया था। यह समझौता ऐसे समय पर हो रहा है जब हाल ही में अरब सम्मेलन संपन्न हुआ है। इस सम्मेलन में सामूहिक सुरक्षा का संकेत दिया गया। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह इजरायल का कतर पर मिसाइल हमला था। इजरायली हमले के बाद खाड़ी के मुस्लिम देश दहशत में हैं और वे रक्षा समझौते करने पर जो दे रहे हैं। वहीं यह समझौता भारत और पाकिस्तान तथा ईरान एवं इजरायल के बीच 12 दिनों तक चले युद्ध के बाद हो रहा है। इस बीच तालिबान और पाकिस्तान के बीच युद्ध के दौरान सऊदी ने दोनों से बातचीत की और सीजफायर कराने में मदद की। हालांकि सऊदी अरब पाकिस्तान के मारे जाने के बाद उसे बचाने को आगे नहीं आया। इससे सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुए रक्षा समझौते की पोल खुल गई। विश्लेषकों का कहना है कि इस डील से पाकिस्तान को कम सऊदी को ज्यादा फायदा होगा। वहीं पाकिस्तान को हथियार खरीदने के लिए पैसे मिल जाएंगे। वहीं अमेरिका के साथ डील के पीछे सऊदी अरब का ईरान डर बताया जा रहा है।

चीनी सेना में भ्रष्टाचार, शी जिनपिंग ने देश के नंबर दो जनरल समेत 7 सैन्य अफसरों को किया बर्खास्त, CCP से निकाला

एजेंसी बीजिंग

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भ्रष्टाचार के आरोपों में देश के दूसरे शीर्ष जनरल हे वेइदोंग समेत 7 सैन्य अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया है। चीन के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के उपाध्यक्ष और 24 सदस्यीय पोलित ब्यूरो के सदस्य हे वेइदोंग को कम्युनिस्ट पार्टी और सेना से निष्कासित कर दिया गया है। वह कम्युनिस्ट पार्टी के शीर्ष निर्णय लेने वाले निकाय, वर्तमान पोलित ब्यूरो के पहले सेवारत सदस्य हैं, जिन्हें इस तरह की जांच का सामना करना पड़ रहा है। बड़ी बात यह है कि चीन ने इस मामले को खुद सार्वजनिक किया है, जो अपने आप में दुर्लभ है। चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वरिष्ठ कर्नल झांग शियाओगांग ने कहा कि नौ वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की जांच की गई और उन्हें दंडित किया गया। झांग ने शुक्रवार को एक नियमित मीडिया ब्रीफिंग में कहा, "जांच के बाद, यह पाया गया है कि इन नौ व्यक्तियों ने पार्टी अनुशासन का गंभीर उल्लंघन किया और कथित तौर पर गंभीर कर्तव्य-संबंधी अपराध किए। इसमें शामिल राशियां विशेष रूप से बहुत बड़ी हैं, अपराधों की प्रकृति बेहद गंभीर है, और प्रभाव बेहद नकारात्मक है।" हे वेइदोंग के अलावा जिन चीनी जनरलों को बर्खास्त किया गया है, उनमें मियाओ हुआ- सीएमसी के पूर्व सदस्य और सेना के राजनीतिक, वैचारिक और कार्मिक कार्यों के प्रभारी; हे होंगजुन- मियाओ के उप और पूर्व कार्यकारी; और वांग जिउबिन- सीएमसी संयुक्त संचालन कमान केंद्र के पूर्व कार्यकारी उप निदेशक शामिल हैं। इसके अलावा लिन जियांगयांग- पूर्वी थिएटर कमान के पूर्व कमांडर; किन शुतोंग- चीनी सेना के पूर्व राजनीतिक आयुक्त; युआन हुआजी- चीनी नौसेना के पूर्व राजनीतिक आयुक्त; वांग हौबिन- चीनी रॉकेट फोर्स के पूर्व कमांडर; और वांग चुनिंग- पीपुल्स आर्म्ड पुलिस फोर्स के पूर्व कमांडर की भी जांच की जा रही थी। हे वेइदोंग, 2022 में मौजूदा सदस्यों के कार्यभार संभालने के बाद से हटाए जाने वाले तीसरे सीएमसी सदस्य हैं। झांग ने कहा, "हे वेइदोंग, मियाओ हुआ, हे होंगजुन और अन्य की गंभीर जांच और सजा एक बार फिर पार्टी की केंद्रीय समिति और केंद्रीय सैन्य आयोग के भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को अंत तक जारी रखने के दृढ़ संकल्प को दर्शाती है। यह इस स्पष्ट रुख को उजागर करता है कि सेना में भ्रष्ट अधिकारियों के छिपने की कोई जगह नहीं है।" झांग ने कहा कि ये मामले पार्टी और सेना के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान में "एक महत्वपूर्ण उपलब्धि" हैं, और ये सेना को "अधिक शुद्ध, अधिक समेकित, और अधिक मजबूत सामंजस्य और युद्ध प्रभावशीलता से संपन्न" बनाएंगे। राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अध्यक्षता वाली सीएमसी, चीन की सैन्य कमान श्रृंखला के शीर्ष पर है। 2022 में 20वीं पार्टी कांग्रेस में, आयोग में बैठने के लिए सात लोगों का चयन किया गया था, लेकिन उनमें से केवल चार ही अब तक बने हुए हैं, ऐसी स्थिति दशकों से नहीं देखी गई थी। शी के अलावा, केवल उपाध्यक्ष झांग यूक्सिया और दो सदस्य - संयुक्त स्टाफ विभाग के प्रमुख लियू झेनली, और सैन्य अनुशासन निरीक्षण आयोग का नेतृत्व करने वाले झांग शेंगमिन - अभी भी सीएमसी में हैं।

रोहित-विराट के वर्ल्ड कप खेलने पर फिर क्या बोल गए अजीत अगरकर, ऑस्ट्रेलिया में ही बढ़ जाएगी चिंता

एजेंसी नई दिल्ली

चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने शुक्रवार को कहा कि सीनियर भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा का 'आकलन' होगा लेकिन प्रत्येक मैच में उन्हें आजमाना 'बेवकूफी' होगी। रोहित और कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले के साथ सात महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के करीब हैं और इस तरह की अटकलें हैं कि दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले 2027 विश्व कप से पहले इन दोनों पूर्व कप्तानों के प्रदर्शन की प्रत्येक सीरीज में समीक्षा होगी। अगरकर ने कहा, 'प्रत्येक मैच में उन्हें आजमाना बेवकूफाना होगा। जब वे खेलना शुरू कर देंगे तो उनका आकलन होगा लेकिन उनकी जगह खतरे में नहीं है।' कुछ हफ्ते पहले शुभमन गिल को नया वनडे कप्तान घोषित करने के बाद अहमदाबाद में कही गई अपनी बात को दोहराते हुए अगरकर ने एक बार फिर उस टूर्नामेंट के लिए टीम के चयन पर अपनी प्रतिबद्धता से परहेज किया जो अभी दो साल दूर है। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, 'इसका मतलब यह नहीं है कि अगर वे ऑस्ट्रेलिया में रन नहीं बनाते हैं तो उन्हें टीम से बाहर कर दिया जाएगा और इसी तरह अगर वे ऑस्ट्रेलिया में तीन शतक बनाते हैं तो उन्हें 2027 विश्व कप के लिए चुना जाएगा।' अगरकर ने यह भी स्पष्ट किया कि कोहली और रोहित ने टेस्ट क्रिकेट छोड़ने का फैसला स्वयं किया था और चयन समिति उनके अनुभव से खुश होती। उन्होंने कहा, 'अगर कोई जगह होती जहां हमें अनुभव की जरूरत होती तो वह इंग्लैंड होता। दोनों दिग्गज खिलाड़ी हैं और उन्होंने हमारे से संपर्क किया था और एक बार जब उन्होंने फैसला कर लिया तो आपको उनके फैसले का सम्मान करना होगा।' अगरकर ने यह भी स्पष्ट किया कि मोहम्मद शमी को इंग्लैंड सीरीज के लिए इसलिए नहीं चुना गया क्योंकि वह फिट नहीं थे और पिछले छह से आठ महीनों में उनकी सामान्य मैच फिटनेस ठीक नहीं रही। उत्तराखंड के खिलाफ बंगाल के रणजी ट्रॉफी मैच से पहले शमी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी एकदिवसीय मुकाबलों के लिए नजरअंदाज किए जाने पर नाराजगी जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि अगर वह रणजी ट्रॉफी के लिए फिट हैं तो 50 ओवर का क्रिकेट भी खेल सकते थे। अगरकर ने कहा, 'अगर शमी यहां होते तो मैं उन्हें जवाब देता। अगर वह फिट हैं तो हमारे पास शमी जैसा गेंदबाज क्यों नहीं है? मैंने उनसे कई बार बात की है। पिछले छह से आठ महीनों में हमें पता चला कि वह फिट नहीं थे। वह इंग्लैंड दौरे के लिए चुने जाने के फिट नहीं थे।'

टेस्ट सीरीज से पहले भारत में मैच खेलेंगे टेम्बा बावुमा, लय हासिल करने के लिए इस टीम का हिस्सा बने

एजेंसी जोहानिसबर्ग

दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट कप्तान तेम्बा बावुमा को इस महीने के अंत में भारत दौरे के लिए देश की 'ए' टीम में शामिल किया गया है। यह इसलिए हुआ है ताकि वह 14 नवंबर से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले परिस्थितियों से सामंजस्य बिठा सके। बवुमा पिंडली की चोट से उबर रहे हैं। वह पाकिस्तान के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में टीम का हिस्सा नहीं है। उन्हें पूरी तरह से उबरने के लिए समय देने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज की टीम में नहीं चुना गया है। साउथ अफ्रीका ए टीम इंडिया ए के खिलाफ दो चार दिवसीय मुकाबलों के साथ तीन अनाधिकारिक वनडे मैच खेलेगी। 30 अक्टूबर से चार दिवसीय मैच की शुरुआत होगी। दोनों मुकाबले बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के मैदान पर होंगे। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका ए टीम 13 से 19 नवंबर तक राजकोट में भारत ए के खिलाफ अनाधिकारिक वनडे मैच खेलेगी। बावुमा सिर्फ दूसरे चार दिवसीय मुकाबले में हिस्सा लेंगे पाकिस्तान के दौरे के बाद साउथ अफ्रीका की टीम को भारत दौरे पर जाना है। दोनों टीमों के बीच 2 टेस्ट के साथ ही 3 वनडे और 5 टी20 इंटरनेशनल मैच होंगे। 14 नवंबर से ईडेन गार्डन्स में पहला टेस्ट होगा। इसके बाद 22 नवंबर से गुवाहाटी में मुकाबला खेला जाएगा। 19 दिसंबर को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टी20 इंटरनेशनल मैच के साथ साउथ अफ्रीका का भारत दौरा खत्म होगा। चार दिवसीय मैचों के लिए साउथ अफ्रीका ए टीमः मार्केस एकरमैन (कप्तान), टेम्बा बावुमा , ओकुहले सेले, जुबैर हमजा, जॉर्डन हरमन, रुबिन हरमन, रिवाल्डो मूनसामी, त्शेपो मोरेकी, मिहलाली मपोंगवाना, लेसेगो सेनोकवाने, प्रेनेलन सुब्रायेन, काइल सिमंड्स, त्सेपो नदवांडवा, जेसन स्मिथ, तियान वान वुरेन और कोडी यूसुफ। अनाधिकारिक वनडे सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका ए टीमः मार्केस एकरमैन (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, ब्योर्न फोर्टुइन, जॉर्डन हरमन, रुबिन हरमन, क्वेना मफाका, रिवाल्डो मूनसामी, त्शेपो मोरेकी, मिहलाली मपोंगवाना, नकाबा पीटर, डेलानो पोटगिएटर, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, सिनेथेम्बा केशिले, जेसन स्मिथ और कोडी यूसुफ।

ये सब नहीं होना चाहिए... हर्षित राणा बवाल में अब हुए अश्विन की एंट्री, गौतम गंभीर ने दिया था मुंहतोड़ जवाब

एजेंसी नई दिल्ली

हर्षित राणा को लेकर चल रही बहस और चर्चाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए उनके वनडे स्क्वाड में शामिल होने के बाद से ही युवा खिलाड़ी और हेड कोच गौतम गंभीर पर सवाल उठाए जा रहे हैं। पूर्व सेलेक्टर कृष्णम्माचारी श्रीकांत ने इस पूरी चर्चा की शुरुआत की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि राणा को सभी फॉर्मेट में लगातार इसलिए चुना जा रहा है क्योंकि वह गंभीर के 'हमेशा हां कहने वाले' साथी हैं। गंभीर ने इसके बाद मीडिया से बात करते हुए श्रीकांत को करारा जवाब दिया। गंभीर ने साफ शब्दों में कहा कि थोड़ी सावधानी बरती जानी चाहिए और सिर्फ यूट्यूब व्यूज बढ़ाने के लिए कुछ भी नहीं कहना चाहिए। अब रविचंद्रन अश्विन ने भी इस मामले पर अपनी राय दी है। उन्होंने कहा कि खेल में व्यक्तिगत हमलों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। अश्विन जिन्होंने पहले आईपीएल 2024 सीजन में प्रदर्शन के आधार पर राणा के स्थान पर सवाल उठाए थे, उन्होंने गंभीर का पक्ष लेते हुए कहा कि आलोचना में अधिक दम होना चाहिए और सिर्फ कहने के लिए नहीं होनी चाहिए। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मैंने हमेशा दोहराया है कि किसी भी खिलाड़ी पर नीचे से हमला नहीं किया जाना चाहिए। जब हमला बहुत व्यक्तिगत हो जाता है, तो उसका मतलब बदल जाता है। मैं संजय मांजरेकर के बारे में बात करना चाहूंगा, जिन्होंने मेरे पूरे करियर में मेरी आलोचना की है। लेकिन मैंने उनसे कभी कोई शिकायत नहीं रखी। वे जो कहते हैं वह सही या गलत हो सकता है जब तक कि आलोचना व्यक्तिगत न हो, मैं ठीक हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मान लीजिए हर्षित उस रील को देखता है जिसमें उसकी कड़ी आलोचना की जा रही है और वह भारत के लिए मैच खेलने वाला है तो क्या वह इससे टूट नहीं जाएगा? और अगर उसके माता-पिता और दोस्त इसे देखते हैं तो उनका क्या सोचना होगा? हम निश्चित रूप से उनके कौशल, उनकी क्रिकेट शैली और जिस व्यापार को वे कर रहे हैं उसकी आलोचना कर सकते हैं। लेकिन यह व्यक्तिगत नहीं होना चाहिए। यह एक या दो बार मजेदार हो सकता है लेकिन यह एक लगातार चलने वाला विषय नहीं होना चाहिए। वे ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि इसके लिए दर्शक हैं। आजकल नकारात्मकता बिकती है। वे वही बेचते हैं जिसकी मांग होती है। हमें ऐसे कंटेंट का उपभोग करने से बचना चाहिए।' हर्षित का यह अजीब मामला तब शुरू हुआ जब उनका डेब्यू आईपीएल रिटेंशन 2024 के साथ हुआ। तब से ही इस तेज गेंदबाज के गंभीर के साथ करीबी संबंधों को लेकर चर्चाएं तेज हो गईं। टी20 स्क्वाड में होने के बावजूद, 23 वर्षीय खिलाड़ी ने अपना डेब्यू नहीं किया। उन्हें तब एक मैच मिला जब आईपीएल रिटेंशन पूरा हो गया जब केकेआर ने उन्हें एक अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में चुना। इसके बाद इस तेज गेंदबाज ने खेल के तीनों फॉर्मेट में डेब्यू किया। हालांकि, जब उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे के लिए स्क्वाड में शामिल किया गया तो यह चर्चा और भी बदतर हो गई।

भारत और ऑस्ट्रेलिया का पहला वनडे कितने बजे शुरू होगा, कब और कहां देखें लाइव स्ट्रीमिंग

एजेंसी पर्थ

भारतीय क्रिकेट टीम वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंच गई है। दोनों टीमों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज होनी है। उसके बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 मैचों की टी20 सीरीज भी होगी। वनडे सीरीज की शुरुआत 19 अक्टूबर से होनी है। पहला मुकाबला पर्थ स्टेडियम में खेला जाएगा। इस सीरीज में विराट कोहली और रोहित शर्मा भी खेलते हुए नजर आएंगे। सीरीज शुरू होने से पहले सभी जानना चाहते हैं कि मैच की शुरुआत कितने बजे से होगी। इसके साथ ही मैच को लाइव कहां देखा जा सकता है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज का पहला मुकाबला कब खेला जाएगा? 19 अक्टूबर को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज का पहला मुकाबला होगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला वनडे मैच किस मैदान पर होगा? भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पर्थ में पहला वनडे भारतीय समय अनुसार सुबह 9 बजे शुरू हो जाएगा।
जियोहॉटस्टार पर भारत और ऑस्ट्रेलिया के पहले वनडे मैच की लाइव स्ट्रीमिंग होगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के पहले वनडे का लाइव टेलीकास्ट कहां देखें? भारत और ऑस्ट्रेलिया के पहले वनडे मैच का लाइव टेलीकास्ट स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर होगा। इस प्रकार हैं दोनों टीमें
भारतः शुभमन गिल (कप्तान), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा।
ऑस्ट्रेलियाः मिचेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस (विकेटकीपर), मार्नस लाबुशेन, मिचेल ओवेन, मैथ्यू रेनशॉ, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, जेवियर बार्टलेट, मिचेल स्टार्क, एडम जम्पा।

व्यापार

कुछ बड़ा होने वाला है... सोने की कीमतों में तूफानी तेजी से ये डर कैसा, दिग्गज अर्थशास्त्री की चेतावनी

एजेंसी नई दिल्ली

सोने की कीमतों में रिकॉर्ड तेजी आई है। पिछले पांच सालों में इसने सबसे तगड़ी साप्ताहिक बढ़त दर्ज की है। अर्थशास्त्री पीटर शिफ ने चेतावनी दी है कि यह कुछ बड़ा होने का संकेत है। उन्होंने कहा कि सोना 4,370 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया है। यह 4,400 डॉलर तक जा सकता है। एक हफ्ते से भी कम समय में इसमें 10% की बढ़ोतरी हुई है। यह उछाल ग्लोबल आर्थिक अनिश्चितता, अमेरिका-चीन व्यापार तनाव, क्षेत्रीय बैंकों की अस्थिरता और फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरें घटाने की अटकलों के कारण आया है। चांदी ने भी सोने के साथ बढ़त हासिल की है। वहीं, प्लैटिनम और पैलेडियम में थोड़ी गिरावट आई है। दल्लि के स्थानीय सराफा बाजार में सोना 1 लाख 30 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर से ऊपर बना हुआ है। सोने की कीमतों में यह रिकॉर्डतोड़ तेजी 4,300 डॉलर प्रति औंस के स्तर को पार करने के बाद शुक्रवार को और बढ़ गई। इसके बाद अर्थशास्त्री पीटर शिफ ने कहा कि कुछ बड़ा होने वाला है। स्पॉट गोल्ड 0.3% बढ़कर 4,336.18 डॉलर प्रति औंस पर था, जबकि यूएस गोल्ड फ्यूचर्स 1% बढ़कर 4,348.70 डॉलर पर पहुंच गया। इस हफ्ते सोने में करीब 8% की बढ़ोतरी हुई है। निवेशक इस समय सोने को सुरक्षित निवेश मान रहे हैं। कारण है दुनिया भर में आर्थिक अनिश्चितता बनी हुई है। अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव, कुछ क्षेत्रीय बैंकों में आई अस्थिरता और फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरें घटाए जाने की उम्मीदों ने सोने की इस रैली को हवा दी है। राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में गुरुवार को सोने की कीमतें 1,31,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर थीं। सोना तब अच्छा प्रदर्शन करता है जब ब्याज दरें कम होती हैं। इस कीमती धातु पर कोई ब्याज नहीं मिलता। इस साल की शुरुआत से अब तक सोने की कीमत 65% से ज्यादा बढ़ चुकी है। इस तेजी के पीछे कई कारण हैं। इनमें भू-राजनीतिक तनाव, ब्याज दरें घटाए जाने की उम्मीदें, केंद्रीय बैंकों की ओर से लगातार सोने की खरीद, डॉलर से हटकर अन्य मुद्राओं में निवेश (डी-डॉलराइजेशन) और ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) में भारी निवेश शामिल हैं। पश्चिमी देशों की ओर से रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों ने भी बाजार में सावधानी का माहौल बनाया है। इससे सोने की मांग बढ़ी है। चांदी की कीमतों में भी सोने के साथ-साथ उछाल देखा गया। चांदी 54.35 डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची। हालांकि, बाद में यह 0.7% गिरकर 53.86 डॉलर प्रति औंस पर आ गई। प्लैटिनम 0.7% गिरकर 1,701.0 डॉलर प्रति औंस और पैलेडियम 0.4% गिरकर 1,607.93 डॉलर पर आ गया। हालांकि, ये दोनों धातुएं भी साप्ताहिक आधार पर बढ़त के लिए तैयार थीं। जाने-माने निवेशक विजय केडिया ने कहा कि सोने की कीमतों में यह उछाल कोई नई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि असली 'रचनात्मकता' निवेश में है। केडिया के अनुसार, 'रचनात्मकता के बिना धन सिर्फ बेजान पैसा है। सोना और चांदी 5,000 सालों से बढ़ रहे हैं। इसमें कुछ नया नहीं है। लेकिन, इन्हें खरीदने के बाद रचनात्मकता, जुड़ाव या योगदान कहां है? शेयरों में निवेश आपको बौद्धिक और भावनात्मक रूप से जीवित रखता है। यह आपको इनोवेशन, उद्यम और दुनिया की प्रगति से जोड़ता है। एक सक्रिय सोच वाले जीवन के बिना पैसे का क्या मतलब है? आप धन पीछे छोड़ सकते हैं। लेकिन, ज्ञान या प्रेरणा नहीं।'

शुरुआती उथल-पुथल से उबर गया बाजार, सेंसेक्स 84 हजार के करीब बंद, क्यों आई तेजी

एजेंसी नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को अच्छी तेजी देखी गई। बंबई शेयर बाजार (बीएसई) का सेंसेक्स 484.53 अंक चढ़कर 83,952.19 पर बंद हुआ। यह 0.58% की बढ़ोतरी है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) का निफ्टी भी 124.55 अंक बढ़कर 25,709.85 पर पहुंच गया। यह 0.49% का लाभ दर्शाता है। यह तेजी निवेशकों के सकारात्मक रुख को दिखाती है। इससे बाजार एक अच्छी चाल के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स ने दिन की शुरुआत कमजोरी के साथ की। यह 83,331.78 के स्तर पर खुला था। कारोबार के दौरान इसने 84,172.24 का सबसे ऊंचा स्तर छुआ। वहीं, सबसे निचला स्तर 83,206.08 रहा। सेंसेक्स अपने पिछले बंद भाव 83,467.66 से ऊपर बंद हुआ। निफ्टी 50 में भी 0.49% की बढ़ोतरी हुई। इससे यह 25,709.85 पर बंद हुआ। सबसे पहले लार्ज-कैप शेयरों में जोरदार खरीदारी हुई। भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एशियन पेंट्स, ITC, महिंद्रा एंड महिंद्रा (M&M), और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (HUL) जैसे बड़े शेयरों में अच्छी मांग देखी गई। इन हैवीवेट शेयरों ने बाजार को ऊपर ले जाने में अहम भूमिका निभाई। दूसरा बड़ा कारण बैंकिंग सेक्टर की मजबूती रही। बैंक निफ्टी ने 57,830 का नया रिकॉर्ड स्तर छुआ। HDFC बैंक और ICICI बैंक जैसे बड़े बैंकों के दूसरी तिमाही के नतीजों से पहले बाजार में उम्मीदें हैं। मार्च 2025 के निचले स्तरों से बैंक निफ्टी लगभग 10,000 अंक चढ़ चुका है, जो वित्तीय क्षेत्र की लगातार मजबूती को दर्शाता है। तीसरा महत्वपूर्ण कारक विदेशी और घरेलू संस्थागत निवेशकों का लगातार निवेश रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों (FIIs) ने गुरुवार को लगातार दूसरे दिन खरीदारी की और इक्विटी में 997.29 करोड़ रुपये का निवेश किया। इसी तरह, घरेलू संस्थागत निवेशकों (DIIs) ने भी 4,076.20 करोड़ के शेयर खरीदे, जिससे बाजार में तरलता बढ़ी और निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ। चौथा कारण कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट है। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आई। ब्रेंट क्रूड 0.84% गिरकर $60.55 प्रति बैरल पर आ गया, जबकि WTI क्रूड 0.85% की गिरावट के साथ $56.97 पर कारोबार कर रहा था। तेल की गिरती कीमतें महंगाई को कम करने और भारत के आयात बिल को घटाने में मदद करती हैं, जिससे उपभोक्ताओं और अर्थव्यवस्था दोनों को राहत मिलती है। पांचवां कारण भारतीय रुपये का मजबूत होना है। भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 21 पैसे मजबूत होकर 87.75 पर पहुंच गया। डॉलर के कमजोर होने और संभवतः RBI के हस्तक्षेप से रुपये को यह मजबूती मिली। मजबूत रुपया आयात की लागत को कम करता है और अक्सर विदेशी निवेश को आकर्षित करता है। निफ्टी के आउटलुक पर बात करते हुए चॉइस ब्रोकिंग की टेक्निकल एंड डेरिवेटिव एनालिस्ट अमृता शिंदे ने कहा कि बाजार में चल रही अस्थिरता को देखते हुए निवेशकों को 'डिप्स पर खरीदें' (buy-on-dips) की रणनीति अपनानी चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि तेजी के दौरान आंशिक मुनाफावसूली करें और टाइट स्टॉप-लॉस का इस्तेमाल करें। नई खरीदारी तभी करें जब निफ्टी 25,750 के स्तर से ऊपर बना रहे। नजदीकी अवधि में बाजार का रुख सतर्कता के साथ तेजी का बना हुआ है। इसमें प्रमुख तकनीकी स्तरों और वैश्विक संकेतों पर ध्यान केंद्रित रहेगा।

रिलायंस की आतिशबाजी आज! नतीजों से पहले बाजार में तूफान, अंबानी तोड़ेंगे सारे रिकॉर्ड!

एजेंसी नई दिल्ली

देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) आज वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए अपने नतीजे घोषित करने वाली है। मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली इस कंपनी से मजबूत अर्निंग ग्रोथ की उम्मीद है। इसका मुख्य कारण बेहतर रिफाइनिंग मार्जिन और इसके उपभोक्ता व्यवसायों, जैसे कि रिलायंस रिटेल और जियो में निरंतर ग्रोथ है। विश्लेषकों का मानना है कि इन दोहरे इंजनों (रिफाइनिंग और कंज्यूमर) के दम पर रिलायंस इस तिमाही में मजबूत प्रदर्शन दर्ज कर सकती है। रलियंस के नतीजों से पहले बाजार में शानदार तेजी दर्ज की गई। पिछली तिमाही (अप्रैल-जून) में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने शानदार वित्तीय नतीजे दर्ज किए थे। कंपनी का शुद्ध लाभ 76.5 फीसदी बढ़कर 30,783 करोड़ हो गया था। यह जबरदस्त उछाल मुख्य रूप से एशियन पेंट्स में अपनी हिस्सेदारी की बिक्री से हुए एकमुश्त लाभ (8,924 करोड़) के कारण था। हालांकि, इस एकमुश्त लाभ को हटाने के बावजूद कंपनी का आवर्ती लाभ भी पिछले वर्ष की तुलना में 25 फीसदी बढ़ा, जो इसके मुख्य व्यवसायों की मजबूत पकड़ को दर्शाता है। पहली तिमाही में रिलायंस का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 6 फीसदी बढ़कर 2.73 लाख करोड़ तक पहुंच गया था। इसमें रिटेल और डिजिटल सेवाओं के मजबूत विकास का महत्वपूर्ण योगदान था। कंपनी का परिचालन लाभ (EBITDA) भी 36 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 58,024 करोड़ रहा था। इसमें उपभोक्ता व्यवसायों का स्वस्थ योगदान था। इस प्रदर्शन के साथ रिलायंस ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की मजबूत शुरुआत की थी। वैश्विक अस्थिरता के बावजूद समेकित EBITDA में मजबूत सुधार हुआ था। कंपनी की दूसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा से ठीक पहले रिलायंस के शेयर 1.35% उछलकर 1,416.95 पर बंद हुए। यह उछाल दिखाता है कि बाजार को उम्मीद है कि मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली इस कंपनी के जुलाई-सितंबर तिमाही के परिणाम मजबूत रहेंगे। कंपनी के रिफाइनिंग मार्जिन और उसके उपभोक्ता व्यवसायों, जैसे जियो और रिलायंस रिटेल, के अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद के चलते निवेशकों ने नतीजों से पहले ही शेयरों में जमकर खरीदारी की, जिससे शेयर की कीमत में यह बढ़ोतरी दर्ज की गई।

गहनों से गैजेट तक, जानिए हर वस्तु की खरीददारी का शुभ लग्न मुहूर्त

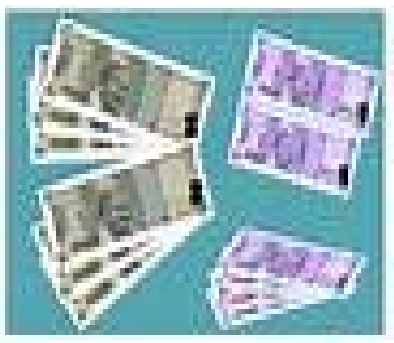
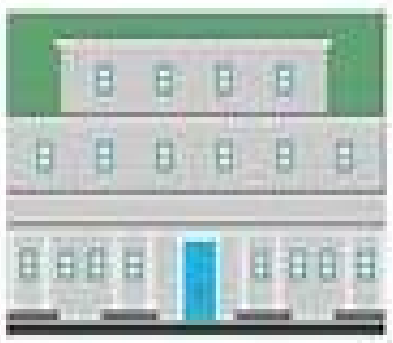

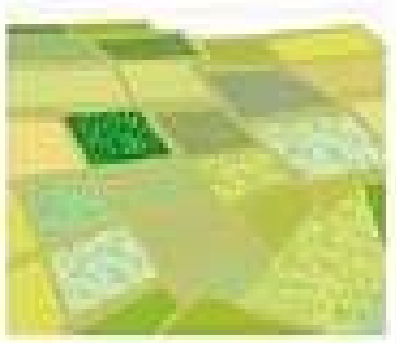

कार्तिक मास कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि का संचरण 18 अक्टूबर 2025, दिन शनिवार को दोपहर 2 बजकर 5 मिनट से प्रारम्भ होगा, जिसके साथ धनतेरस की खरीददारी का शुभ मुहूर्त भी प्रारम्भ हो जाएगा। स्वर्ण आदि बहुमूल्य वस्तुओं की खरीददारी हेतु स्थिर लग्न अत्यन्त शुभ एवं उपयोगी मानी जाती है। लग्न तीन प्रकार की होती हैं, चर लग्न, स्थिर लग्न और द्विस्वभाव लग्न। जमीन-जायदाद, फ्लैट स्थिर लग्न में तथा चर लग्न में वाहन खरीदना बेहद कारगर रहता है, चर लग्न में खरीदे गए वाहन हमेशा सकुशल चलते रहते हैं।

गहने, आभूषण, जमीन-जायदाद- गहने, आभूषण, जमीन-जायदाद आदि बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय हेतु धनतेरस पर स्थिर लग्न विशेष महत्वपूर्ण रहती है। स्थिर लग्न में खरीदी गई जमीन, फ्लैट आदि बहुमूल्य संपत्ति पीढ़ियों तक स्थिर रहती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार चर लग्न में खरीदी गई जमीन किसी न किसी कारणवश कुछ समय बाद दूसरे के नाम स्थानान्तरित होने की संभावनाएं रहती हैं, इसलिए स्थिर लग्न में ही संपत्ति का क्रय करें।

किचन का सामान- रोजमर्रा में काम आने वाली वस्तुएं जैसे किचन का सामान, धातु के बर्तन को कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि का संचरण होने के साथ खरीददारी की जा सकती है, जिसका शुभ मुहूर्त धनतेरस के दिन यानी 18 अक्टूबर को दोपहर 2:05 से लेकर रात्रि पर्यन्त रहेगा।

वाहन- शुभ मुहूर्त में खरीदा गया वाहन चोट-चपेट से व्यक्ति की रक्षा करता है, साथ ही व्यक्ति को यश-कीर्ति प्रदान करता है। प्रायः लोग शनिवार को वाहन आदि खरीदने से परहेज करते हैं, परन्तु धनतेरस के शुभ मुहूर्त और चर लग्न में वाहन का क्रय किया जा सकता है। जिनकी जन्मपत्री में शनि योगकारक ग्रह की भूमिका में होता है, उनके लिए धनतेरस के शुभ मुहूर्त, शनिवार के दिन खरीदा गया वाहन विशेष फलदायी रहेगा।

इलैक्ट्रॉनिक गैजेट- मोबाइल, फ्रिज, टी0वी0, वाशिंग मशीन आदि इलैक्ट्रॉनिक गैजेट धनतेरस पर स्थिर एवं द्विस्वभाव लग्नों में खरीदे जा सकते हैं।

धनतेरस पर चर लग्न, स्थिर लग्न इस प्रकार है -

कुम्भ स्थिर लग्न- दोपहर 2 बजकर 21 मिनट से 3 बजकर 53 मिनट तक

वृष स्थिर लग्न- सायं 6 बजकर 59 मिनट से 8 बजकर 55 मिनट तक

सिंह स्थिर लग्न- देर रात 1 बजकर 28 मिनट से भोर में 3 बजकर 43 मिनट तक रहेगी।

मकर चर लग्न- दोपहर 12 बजकर 36 मिनट से 2 बजकर 21 मिनट तक है, परन्तु धनतेरस तिथि का संचरण दोपहर 2 बजकर 5 मिनट से हो रहा है, अतः दोपहर 2:05 से 2:21 तक मकर चर लग्न में वाहन खरीदा जा सकता है।

मेष चर लग्न- सायं 5:21 से 6:59 तक

कर्क चर लग्न- रात्रि 11:09 से 1:28 तक

सूर्योदय और सूर्यास्त अलग-अलग जगह पर अलग-अलग समय पर होता है, अतः लग्न का यह समय अलग-अलग शहरों में कुछ मिनट आगे-पीछे हो सकता है।

दीपक के ये खास उपाय कर देंगे आपको मालामाल, चमकेगा भाग्य

लंबे इंतजार के बाद दिवाली का त्योहार नजदीक आ चुका है। धनतेरस के दिन दिवाली की रौनक हर जगह दिखाई देगी। इस साल धनतेरस का पर्व शनिवार 18 अक्टूबर 2025 को मनाया जा रहा है। इसी दिन से ही दिवाली का शुरुआत हो जाएगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार, कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी पर ही भगवान धन्वंतरि का अवतरण हुआ था। इसी वजह से इस दिन को धनतेरस के रुप में मनाया जाता है। इस मौके पर सोना-चांदी, बर्तन और नई चीजें खरीदने का विशेष महत्व माना जाता है। धनतेरस पर ये उपाय करने से धन की वर्षा होती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, धनतेरस पर घर की दक्षिण दिशा में चार मुख वाला दीपक जरुर जलाना चाहिए। इसे यम दीपक के नाम से भी जाना जाता है। यम दीपक बनाने के लिए आटे का चौमुखा दीया बनाएं और इसमें सरसों का तेल डालें। अब इसमें चार बाती लगाकर इसे घर के बाहर दक्षिण दिशा की ओर मुख करके जलाएं। माना जाता है कि ऐसा करने से यमराज प्रसन्न होते हैं और परिवार को आरोग्य और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। कहा जाता है कि इस दीपक के जलाने से अकाल मृत्यु का भय दूर हो जाता है।

धन की समस्या नहीं होगी धनतेरस वाले दिन सूर्यास्त के बाद 13 दीपक जलाएं। इसके बाद कुबेर देव की पूजा-अर्चना करें। पूजा के लिए आप धूप, दीप, चंदन, नैवेद्य, फूल और फल अर्पित कर यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धन-धान्य अधिपतये धन-धान्य समृद्धि मे देहि दापय दापय स्वाहा।' मंत्र का जप करें। माना जाता है कि इस मंत्र के जप करने से कुबेर देव की कृपा बनीं रहती है और धन संबंधी समस्याएं दूर होती।

पॉजिटिव एनर्जी बनीं रहेगी धनतेरस वाले दिन शाम को तुलसी के पास घी का दीपक जलाएं। इसके बाद 7 बार मां तुलसी की परिक्रमा करनी चाहिए। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा बनीं रहती है। वहीं, घर में सुख-शांति का माहौल बना रहता है। इसके साथ ही व्यक्ति को मां लक्ष्मी की भी कृपा प्राप्त होती है। इसके अलावा, आप धनतेरस पर जल के स्थान जैसे कुआं, हैंडपंप आदि के पास भी एक दीपक जला सकते हैं। क्योंकि, यह दीया भगवान धन्वंतरि के लिए जलाया जाता है।

धनतेरस पर घर ले आएं ये 7 चीजें, दुर्भाग्य होगा दूर, धन-धान्य से भर जाएगी आपकी झोली

हिंदू धर्म में धनतेरस का बहुत खास महत्व होता है, जो इस बार 18 अक्टूबर, शनिवार को पड़ रही है। वहीं, 19 अक्टूबर को भी त्रयोदशी तिथि व्याप्त हो रही है। ऐसे में अगर आप 18 अक्टूबर को खरीदारी न कर पाएं तो अगले दिन 19 अक्टूबर को शुभ मुहूर्त में खरीदारी कर सकते हैं। साथ ही, इस दिन भगवान धन्वंतरि, कुबेर देवता और माता लक्ष्मी की पूजा करने का विधान होता है। ऐसा करने से आरोग्य की प्राप्ति होती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। मान्यता है कि धनतेरस के दिन खरीदारी करना बेहद शुभ होता है। ऐसे में सोना-चांदी और बर्तन के अलावा कुछ विशेष चीजें घर लाने से माता लक्ष्मी प्रसन्न होती है। इससे धन-धान्य में वृद्धि होती है और जीवन से दुर्भाग्य दूर हो सकता है। ऐसी मान्यता है कि धनिया धन में वृद्धि का संकेत होता है। ऐसे में धनतेरस के दिन धनिया खरीदकर जरूर लाना चाहिए। इसके बाद, माता लक्ष्मी को उसे अर्पित करें और उसमें कुछ दाने निकालकर अपने गमले में बो दें। कहा जाता है कि अगर बोए हुए धनिया से पौधा निकल आए तो जातक के घर में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है और जीवन में खुशहाली आती है।

धनतेरस पर जरूर लाएं सुपारी माना जाता है कि धनतेरस के दिन पूजा में सुपारी प्रयोग करना बेहद महत्वपूर्ण होता है। इसके बिना पूजा अधूरी मानी जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि सुपारी यमदेव, ब्रह्मदेव, इंद्रदेव और वरुण देव का प्रतीक होती है। धनतेरस के दिन पूजा में प्रयोग की गई सुपारी को उठाकर अपने घर की तिजोरी या धन रखने वाले स्थान पर रखना चाहिए। ऐसा करने से घर में कभी भी पैसों की तंगी नहीं होती है।

माता लक्ष्मी का प्रिय भोग बताशा धनतेरस के शुभ अवसर पर घर में बताशा जरूर खरीदकर लाना चाहिए और इसे माता लक्ष्मी को भोग के रूप में चढ़ाएं। मान्यता है कि बताशा मां लक्ष्मी का प्रिय भोग है और इसे शुभ कार्यों में भी प्रयोग किया जाता है। ऐसे में श्रद्धापूर्वक पूजा करने के साथ-साथ देवी के बताशे का भोग लगाने से जातक के जीवन से दुर्भाग्य दूर हो सकता है और माता लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

धनतेरस पर घर लाएं पीतल का सामान इस समय सोना-चांदी के दाम आसमान छू रहे हैं। ऐसे में अगर आप धनतेरस पर सोना या चांदी न खरीद पाएं तो पीतल का सामान भी खरीद सकते हैं। धनतेरस के दिन पीतल से बने बर्तन को घर लाना भी शुभ माना जाता है। इससे माता लक्ष्मी की प्रसन्न हो सकती है और जीवन में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है।

कपूर करेगा नकारात्मकता दूर धनतेरस के दिन कपूर खरीदकर लाना चाहिए। इसके बाद, माता लक्ष्मी, कुबेर देवता और भगवान धन्वंतरि की कपूर के साथ विधि-विधान से पूजा करें। धनतेरस के दिन कपूर घर लाकर इससे पूजा करने से घर के अंदर से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। पुराणों में भी बताया गया है कि कपूर मन को शांत करता है और इसकी महक से पूजा स्थल पवित्र हो जाता है। ऐसे में धनतेरस के दिन कपूर जरूर जलाएं।

झाड़ू घर लाने से कई समस्याएं होंगी दूर धनतेरस के त्योहार पर झाड़ू घर लाने का विशेष महत्व होता है। मान्यता है कि झाड़ू माता लक्ष्मी का स्वरूप है। ऐसे में धनतेरस के दिन झाड़ू को घर लाने से माता लक्ष्मी का भी प्रवेश माना जाता है। जब आप इस झाड़ू से घर साफ करते हैं, तो कचरे के साथ ही घर से नकारात्मकता भी दूर होने लगती है। साथ ही, घर में चल रही आर्थिक तंगी से राहत मिल सकती है और जीवन की कई समस्याएं दूर होती हैं।

पूजा के लिए जरूरी है पान के पत्ते पान के पत्तों का हिंदू धर्म में खास महत्व होता है। वहीं, शास्त्रों में धनतेरस की पूजा के लिए इन्हें बेहद जरूरी बताया गया है। मान्यता है कि पान के पत्ते में देवी-देवताओं का वास होता है और इसे धनतेरस के साथ-साथ दिवाली की पूजा में इस्तेमाल करना भी शुभ माना जाता है। ऐसे में धनतेरस के दिन पान के पत्ते घर जरूर लाने चाहिए। इससे देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

आर्थिक राशिफल : धनतेरस के दिन गौरी योग का शुभ संयोग, वृष, मिथुन सहित इन राशियों को बनाएगा धनवान

आज मेष राशि के जातकों को राजनीतिक सहयोग मिलने के योग बन रहे हैं। जीविका के क्षेत्र में किए गए प्रयास अब धीरे-धीरे फलीभूत होंगे। स्वास्थ्य के प्रति उदासीनता न बरतें और इस दौरान अपनी वाणी पर संयम रखें। किसी भी विवाद में उलझने से बचने की कोशिश करें। काम की अधिकता के कारण पारिवारिक जिम्मेदारियों की अनदेखी न करें। विरोधी अपने प्रयासों में असफल रहेंगे। कार्यक्षेत्र में मेहनत और धैर्य से सफलता मिलेगी। इस समय किसी भी विवाद या बहस में शामिल होने से बचें।

आज द्वितीय भाव में बृहस्पति का अशुभ योग होने के बावजूद आपका दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा। इस दौरान वृष राशि के जातकों के लिए धन, पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि के संकेत हैं। शारीरिक और मानसिक थकान महसूस हो सकती है। शिक्षा के क्षेत्र में किया गया प्रयास सार्थक रहेगा। आज के दिन आपके विरोधी अपने प्रयासों में सफल नहीं होंगे। कुल मिलाकर आज आर्थिक जीवन में संतुलन बना रहेगा।

आज सिंह राशि का चंद्रमा आपके पराक्रम को बढ़ा रहा है। धन और ऐश्वर्य की वृद्धि से कुछ शत्रु ईर्ष्या करेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा और शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। लंबे समय से रुका हुआ कार्य संपन्न होता दिख रहा है। हालांकि इस दौरान किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने की संभावना बनती हुई दिख रही है। आज फिजूलखर्ची की संभावना नजर आ रही है। इसपर नियंत्रण रखना आपके लिए लाभकारी रहेगा। कार्यक्षेत्र में सतर्कता से सफलता मिलेगी।

आज चंद्रमा आपके कोष भाव में संचार कर रहा है, जिससे कुछ अन्तर्विरोध उत्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक योजनाओं को बल मिलेगा। इस दौरान नए अवसर मिल सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें और खान-पान में संयम बनाए रखें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। मनोरंजन और सामाजिक गतिविधियों के अवसर भी प्राप्त होंगे। इस समय विवेक और धैर्य बनाए रखना आवश्यक है।

आज चंद्रमा आपके प्रथम भाव में है और केतु अभीष्ट सिद्धि का कारक बन रहा है। इस दौरान आपके गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। रिश्तेदारों के कारण आपको कुछ तनाव उत्पन्न हो सकता है। रुपए-पैसे के लेनदेन में सतर्कता बरतें। ससुराल पक्ष से लाभ मिल सकता है। वाहन चलाते समय अधिक सावधानी रखें। कार्यक्षेत्र में व्यावहारिक दृष्टिकोण और संयम बनाए रखना आज सफलता के लिए महत्वपूर्ण है।

आज आपकी राशि से द्वादश भाव में केतु और सप्तम राहु का योग है। आप कुछ विशेष कर दिखाने के लिए उत्साहित रहेंगे। आर्थिक दिशा में किए गए आपके प्रयास सफल रहेंगे और लाभ प्राप्त होगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा बढ़ाएगी। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें और अपने खान-पान में संयम बरतें। ससुराल पक्ष से लाभ मिलने की संभावना है। आर्थिक और पारिवारिक मामलों में संतुलन बनाए रखना लाभकारी रहेगा।

आज दशम घर का चंद्रमा और एकादश भाव में केतु आपके पराक्रम और पुरुषार्थ को बढ़ाएंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। आर्थिक प्रयास सफल होंगे। खान-पान में संयम बनाए रखें। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। झगड़ा-विवाद से बचना आवश्यक है। कार्यक्षेत्र में सतर्कता और धैर्य बनाए रखना लाभकारी रहेगा। आर्थिक और पारिवारिक मामलों में विवेकपूर्ण निर्णय लेने से सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे।

आज तुला राशि का स्वामी आपके द्वादश भाव में प्रभावी है। इस दौरान पुराने रोग और ऋण से मुक्ति मिलेगी। व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल रहेंगे। खान-पान में संयम बनाए रखें। अनावश्यक खर्चों पर लगाम लगाएं। कोई भी वित्तीय निर्णय आज सोच समझकर ही लें। इस दौरान आपके विरोधी सक्रिय नजर आ रहे हैं। रोजगार में सफलता प्राप्त होगी। कार्यक्षेत्र में संयम और सतर्कता बनाए रखें।

आपकी राशि का स्वामी बृहस्पति मिथुन राशि में मार्गी है। गुप्त शत्रु और ईर्ष्यालु साथियों से आज के दिन आपको सतर्क रहना होगा। आर्थिक दिशा में किए हुए आपके प्रयास सफल रहेंगे। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा बढ़ाएगी। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें और खान-पान में संयम बरतें। ससुराल पक्ष से लाभ की संभावना है। कार्यक्षेत्र और पारिवारिक मामलों में संतुलन बनाए रखना लाभकारी रहेगा।

तृतीय शनि और षष्ठम गुरु का प्रभाव आपके लिए लाभकारी रहेगा। नवम भाव में केतु विवेकपूर्ण कार्य संपादन और रोजगार में सफलता दिलाएगा। मकर राशि के लोग को इस दौरान उपहार और सम्मान प्राप्त होंगे। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे। यात्रा आपके लिए लाभदायक साबित होगी। प्रियजनों से भेंट होने की संभावना है।

कुंभ राशि के जातकों के राजनीतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। आय और व्यय में संतुलन बनाए रखें।

सिंह का चंद्रमा निकट और दूर की यात्राओं में सफलता और लाभ को प्रबल करेगा। कार्यक्षेत्र में सतर्कता, धैर्य और विवेक बनाए रखना लाभकारी रहेगा।

आज चंद्रमा आपके षष्ठम भाव में है और लक्ष्मी विजय का संकेत दे रहा है। पुराने झगड़े और समस्याओं से मुक्ति मिलेगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। उपहार और सम्मान प्राप्त होंगे। किसी कार्य के संपन्न होने से स्वभाव और वर्चस्व में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से कुछ तनाव मिल सकता है, लेकिन मैत्री संबंध मधुर रहेंगे। कार्यक्षेत्र में सतर्कता और धैर्य बनाए रखना आवश्यक है।

धनतेरस पर खरीदें बस एक चम्मच, करोड़पति भी मानते हैं इसे धन वर्षा का अचूक उपाय

5 दिनों तक चलने वाले दीपावली पर्व की शुरूआत धनतेरस के साथ होती है। धनतेरस पर भगवान धनवंतरि की पूजा के साथ मां लक्ष्मी की भी पूजा-अर्चना की जाती है। वहीं धनतेरस के दिन लोग घर में कई नई चीजें खरीदकर लाते हैं। इस दिन सोना, चांदी और पीतल आदि को खरीदने का अधिक महत्व होता है। लेकिन क्या आपके मन में यह सवाल कभी आता है कि जो लोग पहले से करोड़पति होते हैं, वह धनतेरस के दिन ऐसा क्या खरीदते हैं। जिसको आप भी खरीद सकते हैं। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इसी सवाल का जवाब देने जा रहे हैं।

धनतेरस पर लाएं छोटी सी चम्मच अधिकतर लोग धनतेरस के मौके पर सोने और चांदी के आभूषणों के अलावा सिक्के या फिर अन्य चीजें खरीदते हैं। लेकिन करोड़पति और अमीर लोग धनतेरस के दिन एक छोटी सी चम्मच जरूर खरीदते हैं। इस चम्मच का खाने में इस्तेमाल नहीं किया जाता है, बल्कि इसको तिजोरी में रखना उत्तम माना जाता है। माना

जाता है कि ऐसा करने से मां लक्ष्मी की हमेशा कृपा बनी रहती है और पूरे साल घर में धन की कमी नहीं होती है और साथ धन की बढ़ोत्तरी होती है। ऐसे में आप अपने बजट के हिसाब से धनतेरस के दिन चांदी, पीतल या स्टील का चम्मच खरीद सकते हैं। फिर धनतेरस पर इस चम्मच की पूजा करने के बाद इसको तिजोरी में रख दें। कब है धनतेरस का त्योहार दीपोत्सव की शुरूआत धनतेरस के पर्व से होती है और इस बार धनतेरस का पर्व 18 अक्टूबर 2025 को मनाया जाएगा। इस दिन घरों में मां लक्ष्मी की पूजा के साथ भगवान धवंतरि की पूजा-अर्चना की जाती है। साथ ही कुबेर देव की भी पूजा होती है। इस दिन घर में चौमुखी आटे का दीपक जलाएं और धनिया के बीज, चम्मच, कौड़ी और झाड़ू जरूर खरीदनी चाहिए। माना जाता है कि धनतेरस के दिन इन चीजों को खरीदने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है और हमेशा अपने भक्तों पर हमेशा धन वर्षा करती हैं।

नगर पालिका में हुई परिषद की बैठक

मठारदेव में मेला परिसर के बाहर से बनेगा इमरजेंसी रोड, न.पा. खुद करेगी आवंटित दुकानों से किराया वसूली

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

नगर पालिका परिषद सारनी का शुक्रवार को परिषद का विशेष सम्मेलन संपन्न हुआ जिसमें आउटसोर्सिंग से कर्मचारियों को रखने एवं सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था की निविदा पर चर्चा हुई लेकिन यह दोनों निविदा नहीं खोली गई है इन निविदाओं को लेकर स्क्रूटनी (सूक्ष्म परीक्षण) किया गया जिसमें 10 से अधिक ठेकेदारों के माध्यम से शासन की स्टांप ड्यूटी कम भरने की वजह से उन्हें इस टेंडर से बाहर कर दिया गया है बताया जाता है कि आउटसोर्सिंग का जो काम था उसकी निविदा 27 लोगों ने भरी थी जिसमें से 10 लोगों को सूक्ष्म परीक्षण
के बाद इस निविदा से बाहर किया गया है जबकि सुरक्षा गार्ड के निविदा में 17 लोगों ने टेंडर फाइल किया था जिसमे से पांच लोगों को आपत्र किया है। बताया जाता है कि इस बैठक में विधायक प्रतिनिधि और कुछ पार्षदों ने कूपन पद्धति के माध्यम से यह दोनों निविदा खोले जाने का प्रस्ताव रखा लेकिन दूसरे पार्षदों के माध्यम से इसका विरोध किए जाने के बाद इसे स्थिरकर दिया गया। नगर पालिका परिषद सारनी के सुरक्षा गार्ड और आउटसोर्सिंग से कर्मचारी आपूर्ति किए जाने के मामले में विधायक प्रतिनिधि और परिषद के कुछ पार्षद ज्यादा रुचि ले रहे थे जबकि मध्यप्रदेश नगर निगम नगर परिषद की धारा 1960 का के तहत निर्वाचित पार्षद खुद के या दूसरे के नाम पर परिषद में काम नहीं कर सकता लेकिन सारे नियमों को तोड़कर कई पार्षद दूसरे लोगों के नाम पर नगर पालिका

परिषद सारनी में काम कर रहे हैं। और नगर पालिका परिषद सारणी के अधिकारियों के माध्यम से इन्हें मौन स्वीकृति भी दी जा रही है।
बाबा मठारदेव मेल को लेकर हुई कई चर्चा : मठारदेव बाबा मेले की तैयारियों को लेकर विभागीय कार्ययोजना के तहत कार्य कराए जाने पर चर्चा हुई।इस बार मेले के पूर्व इमरजेंसी एवं वीआईपी रोड को परिसर के बाहर से किया जाएगा।इसके अलावा दुकानों से प्लाट किराया वसूली करने का कार्य खुद नगर पालिका संभालेगी। नगर पालिका परिषद सारनी का विशेष सम्मेलन शुक्रवार दोपहर एक बजे से शुरू हुआ। परिषद को विभागीय कार्ययोजना की जानकारी दी गई। इसके बाद अध्यक्ष किशोर बरदे ने बताया कि मेला परिसर के भीतर बने इमजेंसी एवं वीआईपी रोड को परिसर के बाहर से किया जाएगा। आकस्मिक स्थिति में इससे आवागमन सुलभ होगा। इसके अलावा अस्थाई शौचालयों को भी परिसर के बाहर नालों के पार करने की योजना है। मेले में कार्यक्रमों के लिए स्थल बढ़ाने के लिए ऑडिटोरियम की जगह सीढ़ीनुमा बैठक व्यवस्था बनाने की तैयारी की जा रही है। शहर में सफाई के लिए स्वीपिंग मशीन क्रय करने पर भी निर्णय हुआ। नगर पालिका परिषद सारणी के विशेष सम्मेलन में नगर पालिका अध्यक्ष किशोर बरदे, उपाध्यक्ष जगदीश पवार, नेता प्रतिपक्ष आनंद पिंटिश नागले, पार्षद छाया अतुलकर,भीम बहादुर थापा,मीना सिंह, किरण झरबड़े,ज्योति नागले, चंद्रा सोनेकर, प्रवीण सोनी, भावना माकोड़े, हरिता पाल, इशरत बी,बेबी ठाकुर योगेश बर्डे,मो.जफर अंसारी,महेंद्र भारती,अनिता बेलवंशी, आकाश पंद्राम,बेबी बिंझाड़े, रेखा मायवाड़, रेखा भलावी, दशरथ सिंह जाट, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सी.के. मेश्राम सहायक लेखाधिकारी ब्रजेश नागर,उपयंत्री रविंद्र वराठे,नितिन मीना,केके भावसार,विनायक बागड़े,केएल सोनारे,सुखदेव बोरहपी,दिलीप भालेराव,गुरूदेव हाथिया, जसवंत विश्वकर्मा के अलावा अन्य अधिकारी,कर्मचारी उपस्थित थे।

वार्ड में काम करवाने के लिए पार्षद पति सीएमओ और अध्यक्ष के समक्ष गिड़गिड़ाते रहे

68 करोड रुपए के बजट वाले नगर पालिका परिषद सारनी के निर्वाचन पार्षद सत्ता एवं विपक्ष के कई पार्षद विशेष सम्मेलन के बाद नगर पालिका अध्यक्ष किशोर बरदे, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सी के मेश्राम के सामने गिड़गिड़ाते रहे कि उनके वार्डो में निर्माण कार्य नहीं हो रहा है पेविंग ब्लॉक नहीं लग रहा है सूखे पेड़ नहीं काटे जा रहे हैं दीपावली का मौसम है और वार्डों में साफ सफाई नहीं हो रही है इन सब बातों को लेकर पार्षद के पतियों को गिड़गिड़ाते नतमस्तक होते शुक्रवार को देखा गया इससे यह प्रतीक होता है कि नगर पालिका परिषद सारनी में लाल फीता शाही जन प्रतिनिधियों पर हावी है और जनप्रतिनिधि किसी न किसी मामले में परिषद के अधिकारी और अध्यक्ष के आहसानो के नीचे दबे हुए हैं मूलभूत सुविधाओ को लेकर विरोध करने के बजाय चरण वंदन करने का कार्य नगर पालिका परिषद सारनी में जोरों पर देखा जा सकता है।

भारत सिंह शिव मंदिर प्रबंधन कमेटी के नियुक्त हुए अध्यक्ष

कोयलांचल क्षेत्र की सबसे प्राचीन शिव मंदिर प्रबंधन समिति का हुआ गठन

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

कोयलांचल क्षेत्र पाथाखेड़ा के सबसे प्राचीन शिव मंदिर प्रबंधन कमेटी पाथाखेड़ा के माध्यम से शुक्रवार को पूनर्णगठन किया गया जिसमें एक अध्यक्ष,दो उपाध्यक्ष,एक सचिव,चार सह सचिव,दो कोषाध्यक्ष,ग्यारह सदस्य, 25 मार्गदर्शक मंडल सदस्य,6 विशेष सहयोग करता मंडल सदस्य,15 विशेष आमंत्रित सदस्य बनाने का कार्य शिव मंदिर प्रबंधन कमेटी पाथाखेड़ा के माध्यम से किया गया है। शिव मंदिर प्रबंधन समिति पाथाखेड़ा के पूनर्ण गठन की प्रक्रिया को शुक्रवार को संपन्न किया गया जिसमें अध्यक्ष पद पर भारत सिंह,उपाध्यक्ष नन्ही सिंह, प्रमोद सिंह,सचिव रामनाथ दुबे,सह सचिव मुकेश सिंह, ओम प्रकाश सिंह,चंदन सिंह, संजय अग्रवाल,कोषाध्यक्ष टिंकू रमेश सिंह,अभिषेक प्रहलाद सिंह को नियुक्त किया गया है। शिव मंदिर प्रबंधन कमेटी पाथाखेड़ा के नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष नन्हे सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बार जो कमेटी का गठन किया गया है,उसमें वरिष्ठ युवा सब लोगों को स्थान देने का काम किया गया है।जिससे शिव मंदिर पाथाखेड़ा में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक धार्मिक कार्यक्रमों का प्रचार प्रसार और शिव मंदिर की व्याख्याता को श्रद्धालुओं तक पहुंचने में हर संभव कार्य किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मंदिर को और भव्य रूप कैसे दिया जा सकता है। इन सभी बातों को लेकर विचार विमर्श करने के बाद सभी तरह की कमेटियों का गठन करने का कार्य किया गया इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिव मंदिर प्रबंधन कमेटी पाथाखेड़ा के सदस्य एवं श्रद्धालु गण उपस्थित रहे।

दिवाली पर स्वदेशी को दें बढ़ावा स्थानीय व्यापारियों का करें सहयोग

स्थानीय दुकानदारों से खरीदी कर आत्मनिर्भर भारत को दें बल -प्रकाश डेहरिया

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

धनतेरस दीपावली के पावन अवसर को देखते हुए जनप्रतिनिधियों के माध्यम से स्थानीय रूप से बने उत्पादों को खरीदने,इस्तेमाल करने और बढ़ावा देने पर जोर देने की अपील की जा रही है। केंद्र सरकार के माध्यम से पहले ही वोकल फॉर लोकल का नारा देने का कार्य किया जा चुका है।भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा सारनी के मंडल महामंत्री प्रकाश डेहरिया ने क्षेत्र की जनता को आगामी धनतेरस दिवाली पर्व पर खरीदी अपने क्षेत्र के स्थानीय व्यापारियों एवं दुकानदारों से ही करने की अपील की है,उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने का सबसे बड़ा माध्यम स्थानीय व्यापार को प्रोत्साहित करना है।श्री डेहरिया ने कहा कि छोटे दुकानदार और स्व-रोजगार करने वाले नागरिक हमारे समाज की आर्थिक रीढ़ होते हैं। यदि हम सभी अपनी आवश्यक वस्तुएँ स्थानीय बाजारों से खरीदेंगे तो न केवल उनका व्यवसाय सशक्त होगा बल्कि हमारे अपने शहर की अर्थव्यवस्था भी मजबूत बनेगी एवं स्थानीय व्यापारियों से खरीदी करने से प्रत्येक व्यक्ति अपनो के साथ दिवाली की खुशियां बांट सकेंगे। 'वोकल फॉर लोकल' का संदेश जन-जन तक पहुंचने के साथ ही स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दिया जाना चाहिए। जैसे मिट्टी के दिए,माता लक्ष्मी जी की प्रतिमा दिवाली में पूजन का सामान समेय अन्य वस्तु एवं सामग्री अपने क्षेत्र के छोटे व्यापारियों से खरीदकर स्थानीय एवं देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहभागिता प्रदान की जा सकती है। श्री डेहरिया ने संपूर्ण क्षेत्र वासियों से कहा है कि ऑनलाइन सामान खरीदने की बजाय स्थानीय व्यापारी और व्यापार को बढ़ावा देने का कार्य किया जाना चाहिए।

मृतक रविन्द्र देशमुख सुसाइट केश में हाइ कोर्ट जबलपुर ने सेशन न्यायालय की कार्रवाई पर लगाए स्टे

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

नगर पालिका परिषद सारनी क्षेत्र का बहुचर्चित रविंद्र देशमुख आत्महत्या मामले में शुक्रवार को माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा सेशन न्यायालय की कार्रवाई पर अग्रिम सुनवाई तक स्टे लगा दिया गया है।माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर में शुक्रवार को सीआरआर-3512-2025, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर में सीआरआर संख्या 2513/2025 (बलिराम एवं अन्य बनाम मध्य प्रदेश राज्य एवं अन्य) के सीआरआर/3509/2025, सीआरआर/3510/2025, सीआरआर/3512/2025, सीआरआर/3513/2025, सीआरआर/3683/2025, सीआरआर/3914/2025 पर याचिका करता के अधिवक्ता रजनीश कुमार पाण्डे,हिमान्शु तिवारी,मनीष तिवारी एवं प्रतिवादी राज्य के उप शासन अधिवक्ता आत्माराम बैन एवं आपत्ति कर्ता अधिवक्ता आर.एस. सिद्दीकी का पक्ष सुना। पक्षकारों के विद्वान अधिवक्ता के अनुरोध पर मामले को 8 दिसंबर से प्रारंभ होने वाले सप्ताह में सूचीबद्ध किया जाता है। इस बीच विद्वान प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश, बैतूल के समक्ष लंबित एसटी क्रमांक 7/2025 की आगे की कार्यवाही अगली सुनवाई की तिथि तक स्थगित रहेगी। सारनी के बहुचर्चित रविंद्र देशमुख आत्महत्या कांड मैं सारनी पुलिस के माध्यम से 14 लोगों को तथाकथित सुसाइड नोट के आधार पर आरोपी बनाया था जिसमे क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यपारी,पत्रकार, जनप्रतिनिधीयो के नाम थे इस चर्चित मामले को लेकर क्षेत्र के व्यपारियो ने सीआईडी एवं सीबीआईजांच की मांग की थी उनका कहना था यह मामला लेन देन का था जो वर्षो से व्यपारी अपने पैसे को लेकर पुलिस अधीक्षक बैतूल एसडीओपी सारनी,थाना प्रभारी सारनी के पास गुहार लगाते रहे इसके पूर्व में माननीय हाईकोर्ट द्वारा रंजीत सिंह,प्रकाश शिवहरे और दिपक शिवहरे को आरोप मुक्त किया जा चुका है।

न्यू बैतूल ग्राउंड पर लगने लगी 129 पटाखा दुकानें

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

न्यू बैतूल ग्राउंड पर पटाखा दुकानें लगाने की प्रक्रिया शुरू करते हुए नपा ने नंबरिंग करवाकर 129 पटाखा दुकानों का आवंटन किया। दुकानों में किसी तरह का विवाद नहीं हो इसीलिए नपा ने लॉटरी सिस्टम से दुकानों का आवंटन किया। पिछले साल न्यू बैतूल ग्राउंड पर 120 दुकानें लगी थीं, इस बार दुकानों की संख्या 9 बढ़ी है। नगरपालिका के राजस्व निरीक्षक सुभाष प्रजापति समेत अन्य ने इस पूरी प्रक्रिया को किया। पूर्व में प्रत्येक दुकानदार को 25- 25 किलो के लाइसेंस दिए थे, बाद में पुराने आवेदनों को खारिज करते हुए नए सिरे से 100-100 किलो बारुद के लाइसेंस के आवेदन करवाए। दुकानदारों को इसे बाद अब 100-100 किलो क्षमता के लाइसेंस दिए हैं। इधर दुकानों का आवंटन होने के बाद अब धनतेरस आ जाने के कारण पटाखा दुकानदारों ने तेजी से दुकानें लगानी शुरू कर दी है। नपा ने यहां पर व्यवस्था बनाने के लिए दुकानदारों से रसीदें भी कटवाई हैं। 64500 रुपए रसीदें काटकर नपा ने जमा करवाए हैं।

बैतूल को `आदि कर्मयोगी' अभियान में राष्ट्रीय सम्मान, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कलेक्टर सूर्यवंशी को किया सम्मानित

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल जिले ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित 'आदि कर्मयोगी अभियान' के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए बैतूल जिले को राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुआ है। शुक्रवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित नेशनल कॉन्क्लेव में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बैतूल कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी को 'बेस्ट परफॉर्मिंग डिस्ट्रिक्ट' का सम्मान प्रदान किया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन और सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग विवेक पांडे भी मौजूद रहे।
कलेक्टर सूर्यवंशी के नेतृत्व में जिले में 'आदि कर्मयोगी' अभियान को योजनाबद्ध तरीके से लागू किया गया। इसके तहत डिस्ट्रिक्ट प्रोसेस लैब के माध्यम से ब्लॉक स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षित कर जनजातीय बहुल 554 ग्रामों में ग्राम सभाओं, ट्रांजिट वॉक और विकास योजनाओं के जरिए समग्र विकास का विजन प्लान तैयार किया गया। इस अभियान में शासन के 17 विभागों का समन्वय किया गया। जनजातीय कार्य विभाग ने जिले के 10 विकासखंडों के 554 आदिवासी बहुल गांवों में योजनाओं के क्रियान्वयन की शुरुआत की है। ग्राम स्तर पर 'आदि सेवा केंद्र' स्थापित किए गए हैं, जहां ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। इन केंद्रों की नियमित समीक्षा बैठकें भी आयोजित की जा रही हैं।
सहायक आयुक्त विवेक पांडे ने बताया कि 2 अक्टूबर से सभी ग्राम सभाओं में 'विलेज एक्शन प्लान 2030' तैयार किया गया है, जिसमें रोजगार, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, बिजली, आधार और आयुष्मान कार्ड जैसी मूलभूत जरूरतों को शामिल किया गया है। प्रत्येक गांव का अलग प्लान बनाकर उसे विकासखंड और जिला स्तर पर संकलित किया जा रहा है, ताकि राज्य और केंद्र सरकार को विस्तृत रिपोर्ट भेजी जा सके। अभियान के तहत हर सप्ताह ग्राम स्तर पर अधिकारी बैठक लेकर समस्याओं पर चर्चा करते हैं। 'आदि साथी', 'आदि कर्मयोगी' और 'आदि विद्यार्थी' मिलकर इन सेवा केंद्रों का संचालन कर रहे हैं, जिससे जनजातीय क्षेत्रों में विकास की नई ऊर्जा दिखाई दे रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित।
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949